सतना
12 अगस्त 2026 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

हर लापता व्यक्ति के मामले में तुरंत दर्ज हो एफआईआर

मानव तस्करी रोकने को लेकर सुप्रीम कोर्ट का सख्त

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (UTs) को निर्देश दिया है कि किसी भी व्यक्ति के लापता होने पर (चाहे उसकी उम्र या लिंग कुछ भी हो) तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए। कोर्ट ने इस बात पर हैरानी जताई कि कुछ राज्यों को यह गलतफहमी थी कि उसका पिछला निर्देश सिर्फ लापता बच्चों के मामले में लागू होता था। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और आर. महादेवन की बेंच ने इस व्याख्या को जानबूझकर और गलत नीयत से खड़ा किया गया बहाना बताया। बेंच ने कहा कि जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक 22 मई के आदेश का पालन करने में नाकाम पाए जाएंगे, उनके खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्रवाई होगी और उन्हें हुई चूक के बारे में सफाई देने के लिए अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होना होगा। सोमवार को जारी 5 अगस्त के आदेश में बेंच ने कहा, 'हमें यह जानकर हैरानी हुई कि कुछ राज्यों को लगता है कि व्यक्ति शब्द का मतलब सिर्फ बच्चे हैं और इसमें वयस्क शामिल नहीं हैं। हमें लगता है कि ऐसे राज्यों ने जान-बूझकर और गलत नीयत से यह बात फैलाई है।' यह साफ करते हुए कि उनके पहले के निर्देश में कोई अस्पष्टता नहीं थी बेंच ने कहा, 'हमारे पिछले आदेश की भाषा साफ और स्पष्ट है। व्यक्ति शब्द का मतलब हर व्यक्ति से है चाहे उसकी उम्र या लिंग कुछ भी हो।'

'आदेश का पालन न करने पर जारी किया जाए नोटिस': कोर्ट ने आगे यह भी निर्देश दिया कि अगर किसी राज्य या केंद्र-शासित प्रदेश ने 22 मई के आदेश का पूरी तरह और उसकी असली भावना के साथ पालन नहीं किया है तो संबंधित मुख्य सचिव और डीजीपी को अवमानना का नोटिस जारी किया जाना चाहिए। इन दोनों अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से पेश होना होगा और कारण बताओ हलफनामा दाखिल करना होगा। इसमें उन्हें यह बताना होगा कि कोर्ट के आदेशों की जानबूझकर अनदेखी और पालन न करने के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए और उन्हें सजा क्यों न दी जाए।

कोर्ट ने पिछले आदेश में क्या कहा था? यह ताजा आदेश तब आया जब बेंच को बताया गया कि 22 मई के उसके निर्देश के तहत सभी राज्यों को किसी भी लापता व्यक्ति के बारे में जानकारी मिलने पर एफआईआर दर्ज करनी थी। उस आदेश में कोर्ट ने साफ तौर पर हर पुलिस स्टेशन को निर्देश दिया था कि किसी भी व्यक्ति के लापता होने की जानकारी मिलते ही तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए। इसके लिए न तो शुरुआती जांच का इंतजार किया जाए और न ही परिवार से पहले लापता व्यक्ति को खोजने के लिए कहा जाए। 22 मई के आदेश में भी इस तरह की व्याख्या की बहुत कम गुंजाइश छोड़ी गई थी। इसमें साफ तौर पर कहा गया था कि एफआईआर में किसी व्यक्ति या बच्चे के अपहरण या तस्करी से संबंधित भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों को शामिल किया जाना चाहिए।

: ब्रीफ बॉक्स :

सोनिया बोलीं- मनमोहन सिंह सबसे प्रभावशाली प्रधानमंत्रियों में एक थे

उनकी ईमानदारी का रिकॉर्ड भाजपा सरकार से अलग, इतिहास उन्हें सम्मान से याद करेगा

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट से पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में क्लीन चिट मिलने के कुछ दिन बाद कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। सोनिया ने मंगलवार को द इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित अपने आर्टिकल में मनमोहन सिंह और मोदी सरकार के कामकाज की तुलना की।

सोनिया ने लिखा कि मनमोहन सिंह की ईमानदारी और जवाबदेही का रिकॉर्ड मोदी सरकार के काम करने के तरीके से बिल्कुल उल्टा था। इतिहास मनमोहन सिंह को शांत, सरल, लेकिन सबसे प्रभावशाली प्रधानमंत्रियों में से एक के तौर पर

बंगाल एसआईआर- सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से जानकारी मांगी

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम

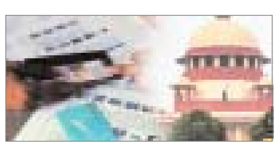

कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग से पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) में हटाए गए नामों से जुड़े मामलों की जानकारी मांगी है। कोर्ट ने अपीलीय ट्रिब्यूनलों के फैसलों की डिटेल्स देने को कहा है।

ये अपीलीय ट्रिब्यूनल उन लोगों की अर्जियों पर सुनवाई करते हैं, जिनके नाम बंगाल स्ढ्ढक्र के दौरान वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। कोर्ट ने ट्रिब्यूनल की संख्या, काम के घंटे और मामलों के निपटारे की रफ्तार जैसे मुद्दों की जांच करने पर सहमति जताई। याचिकाकर्ता ने कहा कि ट्रिब्यूनल लोगों की अपीलों पर तेजी से फैसला नहीं कर रहे। कोर्ट ने कहा कि ट्रिब्यूनल में मामलों के निपटारे के लिए कोई टाइमलाइन तय नहीं कर सकते।

बंगाल में वोटर लिस्ट से 58 लाख से ज्यादा नाम कटे: पश्चिम बंगाल में SIR की ड्राफ्ट लिस्ट में 58.20 लाख नाम कट गए हैं। ड्राफ्ट लिस्ट से पहले राज्य में 7.66 करोड़ थे, ड्राफ्ट लिस्ट में 7.08 करोड़ वोटर्स का नाम शामिल किया गया।

पुणे में 4 साल की बच्ची पर कुत्तों का हमला

7 कुत्तों ने 43 सेकेंड तक काटा, सिर में 80 टांके; चीख सुनकर लोगों ने बचाया

पुणे,एजेंसी। पुणे जिले के पिंपरी-चिंचवाड़ में सात आवारा कुत्तों ने चार साल की बच्ची पर हमला कर दिया। बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। उसके सिर पर 80 से ज्यादा टांके लगे हुए हैं।

घटना चिखली इलाके में रविवार दोपहर की है। बच्ची के पिता गिरधर मिश्रा के मुताबिक, बच्ची पास के पेड़ से कुछ पत्तियां लेने के लिए घर से बाहर निकली थी। पेड़ के पास पहुंचते ही कुत्तों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि कुत्तों के झुंड ने करीब 43 सेकेंड तक बच्ची को काटा। उसके हाथों और जांघों पर चोटें आई हैं।

म.प्र. समेत 6 राज्यों में 24 घंटे से लगातार बारिश

● यूपी के 25 मकान गंगा में डूबे ● राजस्थान के 4 जिलों में 12 इंच बारिश

नई दिल्ली,एजेंसी। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हिमाचल और छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटे से लगातार बारिश हो रही है।

भोपाल में दो दिन से बारिश जारी है। यहां 24 घंटे में 7 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। स्कूलों में दो दिन की छुट्टी कर दी गई। शहर में 1,000 से ज्यादा घरों के आसपास 5 फीट तक पानी भर गया। उत्तराखंड और हिमाचल में हो रही बारिश से यूपी में गंगा-यमुना समेत 10 नदियां उफान पर हैं। फर्रुखाबाद-बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे के ऊपर बह रहा है। 40 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। फर्रुखाबाद में 25 घर गंगा नदी में समा चुके हैं।

राजस्थान के 6 जिलों में आज बारिश का ऑरेंज और 17 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। राज्य में पिछले 24 घंटे में हाड़ौती क्षेत्र (कोटा, बारां, बूंदी और झालावाड़) में 12 इंच तक बारिश हुई। हाड़ौती के दो बड़े बांध कालीसिंध और छापी के गेट खोलने से निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं।

दो सिस्टम एक्टिव होने से म.प्र., राजस्थान समेत कई राज्यों में बारिश: देश के मध्य हिस्से में इस समय एक लो-प्रेशर एरिया और मानसून ट्रफ सक्रिय है। उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश और आसपास बना लो-प्रेशर एरिया बारिश करा रहा है। इसके असर से मध्य प्रदेश, राजस्थान के कुछ हिस्सों और आसपास के इलाकों में बारिश की गतिविधियां बनी हुई हैं। IMD ने 11-12 अगस्त को पश्चिमी मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है।

वहीं, उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में एक और मौसम सिस्टम सक्रिय है। इसके प्रभाव से 12 अगस्त के आसपास लो-प्रेशर एरिया बनने की संभावना है। इसके आगे बढ़ने पर पूर्वी और मध्य भारत के कई हिस्सों में भारी बारिश हो सकती हैं। इस बीच, मानसून ट्रफ भी उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश में बने लो-प्रेशर एरिया के केंद्र से होकर गुजर रही है। आसान भाषा में समझें तो अभी बारिश कराने वाले सिस्टम सक्रिय हैं, इसलिए मध्य और पूर्वी भारत में अगले कुछ दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।

देश के 46% जिलों में कम बारिश... इस साल सामान्य से कम बारिश की आशंका जताई गई थी। देश में 741 जिले हैं। 10 अगस्त तक इनमें से 338 यानी 46% में सामान्य से कम बारिश हुई। 288 यानी 39% में सामान्य और 108 यानी 15% में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई। 7 जिलों का आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

कोलंबिया में भूकंप से 132 लोगों की मौत, 570 घायल

● 86 इमारतें गिरीं, 1500 से ज्यादा घरों को नुकसान ● सात एयरपोर्ट पर काम बंद

बोगोटो,एजेंसी। साउथ अमेरिकी देश कोलंबिया में सोमवार रात आए 7.4 तीव्रता के भूकंप से अब तक 132 लोगों की मौत हो गई है। इसके अलावा 570 लोगों के घायल होने की खबर है।

अधिकारियों के मुताबिक, देशभर में 86 इमारतें ढह गईं, जबकि 1,500 से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा है। 18 स्वास्थ्य केंद्रों और 52 स्कूलों को भी नुकसान हुआ है।

इसके अलावा 7 एयरपोर्ट पर काम रोक दिया गया है। पांच शहरों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। राष्ट्रपति ने इमरजेंसी कमेटी की बैठक बुलाकर राहत और बचाव अभियान की निगरानी शुरू कर दी है।

परेरा में सबसे ज्यादा मौतें: परेरा शहर में अकेले 60 लोगों की मौत हुई है। करीब 5 लाख की आबादी वाला यह शहर भूकंप के केंद्र से 64 किलोमीटर से भी कम दूरी पर है। राजधानी बोगोटा समेत कई शहरों में भी तेज झटके महसूस किए गए।

चोको और रिसाराल्डा में भारी नुकसान... अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (SGS) के मुताबिक, भूकंप सोमवार सुबह करीब 7 :34 बजे आया। इसका केंद्र चोको इलाके में सैन जोसे डेल पालमार के पास था। भूकंप की गहराई 107 किलोमीटर थी।

चीन बोला: भारत का अरुणाचल का मैप जारी करना गलत

इससे हमारा दावा नहीं बदलेगा; भारत ने 3 दिन पहले नक्शा जारी किया था

नई दिल्ली,एजेंसी। चीन ने सोमवार को कहा कि भारत का अरुणाचल प्रदेश की 27 जगहों को अपने मैप पर दिखाना गलत है। चीन ने इसे 'अमान्य' करार दिया है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि चीन भारत की ओर से बनाए गए अरुणाचल प्रदेश के मैप को मान्यता नहीं देता।

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अरुणाचल प्रदेश की 27 जगहों और उनकी भौगोलिक विशेषताओं को आधिकारिक नक्शे पर दर्ज किया था। यह कदम चीन की ओर से राज्य की जगहों के नाम बदलने की कोशिशों के बीच उठाया गया है।

सरकार ने ऐसा यों किया... इन नामों को आधिकारिक मानचित्रों में शामिल करने का मकसद प्रशासन को बेहतर बनाना है। इससे सरकारी रिकॉर्ड में एकरूपता आएगी, अलग-अलग विभागों के बीच बेहतर तालमेल होगा और आपदा के समय मदद पहुंचाने में आसानी होगी।

गृह मंत्रालय के मुताबिक, यह काम अरुणाचल प्रदेश सरकार से सलाह लेकर किया गया है। इसका मकसद इन जगहों की सही पहचान बताना और आम लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि इन नामों के आधार पर लोगों के पासपोर्ट या दूसरे निजी दस्तावेजों में कोई बदलाव किया जाएगा। सरकार का मुख्य उद्देश्य इन क्षेत्रों की आधिकारिक पहचान तय करना और भारत के प्रशासनिक रिकॉर्ड में उन्हें शामिल करना है।

चीन अरुणाचल की जगहों के नाम जारी करता रहा है: चीन ने कई बार अरुणाचल प्रदेश की जगहों के चीनी नामों की सूची जारी करता रहा है। वह अरुणाचल प्रदेश को जांगनान कहता है। भारत ने चीन की इन कोशिशों को लगातार खारिज किया है। भारत का कहना है कि इनका भारत की राज्य पर संप्रभुता पर कोई असर नहीं पड़ता।

भारत में एशियाई शेरों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि

10 साल में 523 से बढ़कर 891 तक पहुंचा आंकड़ा

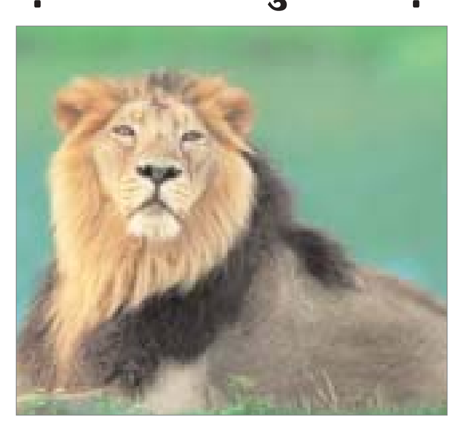

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत में एशियाई शेरों की आबादी 2015 में 523 थी जोकि 2025 में बढ़कर 891 हो गई है। यह जानकारी विश्व शेर दिवस के अवसर पर सोमवार को पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने दी। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि एशियाई शेरों के संरक्षण में कामयाबी देश के वन्यजीवों और जैव विविधता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह दर्शाता है कि विकास और प्रकृति का संरक्षण एक साथ आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि विश्व शेर दिवस मनाते हुए आइए हम अपनी कुदरती धरोहर की रक्षा करने का संकल्प दोहराएं और सुनिश्चित करें कि एशियाई शेर की दहाड़ आने वाली पीढ़ियों तक गूंजती रहे। वर्तमान में शेरों का क्षेत्र 2020 के लगभग 30,000 वर्ग किलोमीटर के मुकाबले अब बढ़कर 35,000 वर्ग किलोमीटर हो गया है।

ईरान के डर से ट्रम्प ने सीक्रेट फ्लाइट ली थी

तुर्किये में एयरफोर्स वन में बैठने का दिखावा किया

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पिछले महीने तुर्किये से ब्रिटेन जाने के लिए सीक्रेट रूप से एक छोटे मिलिट्री विमान का इस्तेमाल किया था। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान से ट्रम्प की हत्या की धमकी मिलने के बाद उनकी यात्रा का पूरा प्लान बदला गया था।

तुर्किये की राजधानी अंकारा से निकलते समय ट्रम्प कैमरों के सामने पुराने एयरफोर्स वन में सवार हुए। इसके बाद उन्हें एयरपोर्ट पर सामान और खाना पहुंचाने वाली केटरिंग गाड़ी से चुपचाप छोटे मिलिट्री विमान C-32A तक पहुंचाया गया।

पहले बड़े विमान में बैठे, फिर चुपचाप बाहर निकले: ट्रम्प 8 जुलाई को नाटो समिट में शामिल होने के लिए तुर्किये की राजधानी अंकारा पहुंचे थे। वे कतर से मिले नए बोइंग 747-8 विमान से वहां गए थे। वापसी के समय ट्रम्प ने कहा कि वे पुराने, हल्के नीले रंग के एयरफोर्स वन से ब्रिटेन जाएंगे। वे कैमरों के सामने इसी विमान में सवार भी हुए। ट्रम्प ने इसकी वजह बताते हुए कहा था कि वे पुराने समय की याद में इस विमान से सफर करेंगे। नया कतर वाला विमान भी ब्रिटेन के RAF मिल्डेनहॉल एयरबेस गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, इसी गाड़ी से ट्रम्प को चुपचाप एयरपोर्ट पर खड़े एक छोटे मिलिट्री विमान C-32A तक ले जाया गया।

सामान वाली गाड़ी से दूसरे विमान तक पहुंचे... वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, ट्रम्प के पुराने एयरफोर्स वन में चढ़ने के कुछ देर बाद एक कैटरिंग गाड़ी वहां पहुंची। ऐसी गाड़ियां आमतौर पर विमान में खाना और जरूरी सामान पहुंचाने के लिए इस्तेमाल होती हैं।

झारखंड विधानसभा घेराव के दौरान एबीवीपी कार्यकर्ताओं-पुलिस में झड़प

● छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा का प्रदेश बंद ● सीएम हेमंत बोले- विपक्ष युवाओं को भटका रहा

रांची,एजेंसी। झारखंड विधानसभा घेराव के दौरान ABVP कार्यकर्ताओं और पुलिस में झड़प हुई है। कार्यकर्ता पुरानी विधानसभा के पास जुटे, जहां उन्हें डिटेन करने के लिए पुलिस पहुंची। जिसके बाद कुछ कार्यकर्ता सड़क पर लेट गए, कुछ पुलिस वैन के आगे बैठ गए। पुलिस लगातार उन्हें उठाने की कोशिश में है, इस दौरान झड़प हुई है। मानसून सत्र के दौरान झारखंड सीएम ने विपक्ष पर युवाओं को भटकाने का आरोप लगाया। कहा- 'विपक्ष हल्ला करता रहेगा, हम अपना काम करते जाएंगे। सरकार छात्रों के हित में फैसले ले रही है।' इधर, भाजपा ने मंगलवार को राज्यव्यापी बंद बुलाया है। रांची में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कई जगह सड़कें रोकीं और टायर जलाए। कुछ जिलों में कार्यकर्ता जबरन दुकानें बंद कराते नजर आए। कई शहरों लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया गया है। भाजपा ने आरोप लगाया कि JMM के नेतृत्व वाली सरकार छात्रों की मांगों पर बात करने के बजाय प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया।

100 में कर सकेंगे मणिमहेश यात्रा: हिमाचल में मिलेगी हेली टैक्सी

पहली बार लॉटरी से मिलेगी टिकट, 25 अगस्त से यात्रा शुरु होगी

भरमौर,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के चंबा में होने वाली मणिमहेश यात्रा में श्रद्धालुओं को इस बार महज 100 रुपए में हेली टैक्सी से भगवान भोले के धाम पहुंचने का मौका मिलेगा। रेड क्रॉस सोसायटी ने पहली बार श्रद्धालुओं के लिए लकी ड्रॉ निकालने का फैसला लिया है। इसकी पर्ची मंगलवार (11 अगस्त) से मिलनी शुरू होगी।

इसके तहत हर सप्ताह लकी ड्रॉ निकाला जाएगा। इसमें चयनित श्रद्धालु को भरमौर से मणिमहेश और वापस भरमौर तक हेली टैक्सी से यात्रा करने का अवसर मिलेगा। रेड क्रॉस सोसायटी के मुताबिक, पहले सप्ताह एक श्रद्धालु का लकी ड्रॉ निकाला जाएगा।

यदि लकी ड्रॉ के लिए पर्चियां खरीदने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में इजाफा होता है, तो दूसरे सप्ताह से दो-दो श्रद्धालुओं का चयन किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को मणिमहेश यात्रा में हेली टैक्सी सेवा का लाभ दिलाना है। मणिमहेश यात्रा की शुरुआत 25 अगस्त से होगी, जो 19 सितंबर तक चलेगी।

फुल किराया 6255, लक्की ड्रॉ से 100... खास बात यह है कि लकी ड्रॉ में चयनित श्रद्धालु को हेली टैक्सी के लिए महज 100 रुपए खर्च करने होंगे, जबकि भरमौर से मणिमहेश तक हेली टैक्सी में आने जाने का पूरा किराया करीब

अगले 5 दिन यूपी से राजस्थान तक खूब होगी बारिश, एपमी में घरों में घुसा पानी; महाराष्ट्र के लिए यलो अलर्ट जारी

जयपुर, लखनऊ, मुंबई, एजेंसी। भारत में मानसून की सक्रियता का एक और दौर देखने को मिल सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देश के कई हिस्सों में व्यापक बारिश का अनुमान लगाया है। मानसूनी सीजन के चलते देश में कई जगहों पर बाढ़ तो कहीं बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। नदियां उफान पर हैं और इनका पानी हाईवे के ऊपर से बह रहा है। कई जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है तो कई जगहों पर तेज बारिश का यलो अलर्ट है। मध्य प्रदेश में भी बढ़ा जैसे हालात बन गए हैं। नदियां उफान पर रहीं और कई रास्ते बंद हो गए। राजधानी भोपाल सबसे ज्यादा प्रभावित रहा, यहां एक हजार से ज्यादा घरों के आसपास 5 फीट तक पानी भर गया। मौसम विभाग ने पूर्वी राजस्थान और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों सहित कई इलाकों में अलग-अलग जगहों पर बहुत भारी बारिश की चेतावनी भी दी है। यहां 11 अगस्त और आने वाले दिनों के लिए भारत का मौसम का ताजा पूर्वानुमान दिया गया है।

आंधी-तूफान और बिजली गिरने की आशंका: आने वाले दिनों में उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्वी, पूर्वोत्तर और पश्चिमी भारत के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही कई राज्यों में आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की भी आशंका है।

यूपी में नदियों में समाए घर: पहाड़ों पर हो रही जबरदस्त बारिश की वजह से उत्तर प्रदेश में गंगा-यमुना समेत 10 नदियां उफान पर हैं। फर्रुखाबाद और बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे के ऊपर से बह रहा है। 40 से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में हैं। वहीं, फर्रुखाबाद में 25 घर गंगा नदी में समा गए। 11 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में हफ्ते के आखिर में बड़े पैमाने पर बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने 14 और 15 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश का अनुमान लगाया है, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में 13 से 15 अगस्त के बीच भारी बारिश होने की संभावना है। 11 अगस्त को पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है और आने वाले दिनों में भी ऐसी गतिविधियां हो सकती हैं।

राजस्थान में अलर्ट: राजस्थान के 6 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि 17 जिलों में तेज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। हड़ौती क्षेत्र में पिछले 24 घंटे में 12 इंच तक बारिश हुई। राजस्थान उन इलाकों में शामिल है जहां बहुत तेज बारिश हो सकती है।

दिल्ली-एनसीआर का मौसम

11 अगस्त को दिल्ली और हरियाणा में काफी बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है और 13 अगस्त को भी बारिश का एक और दौर आ सकता है। मौसम विभाग ने 11 अगस्त और फिर 13 अगस्त को हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में कहीं-कहीं भारी बारिश का अनुमान लगाया है। मानसून के एक्टिव दौर में राजधानी में आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की भी संभावना है। लोगों को अचानक तेज बारिश, जल-जमाव और ट्रैफिक में रुकावट को लेकर सतर्क रहना चाहिए। खासकर जब बारिश बहुत तेज हो।

हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर का मौसम: पश्चिमी हिमालयी इलाके में पूरे हफ्ते मौसम के नमी वाला रहने की उम्मीद है। 11 अगस्त से 16 अगस्त के बीच हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद और उत्तराखंड में काफी ज्यादा या हर जगह बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने इस दौरान जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में कुछ जगहों पर भारी बारिश की चेतावनी दी है। हिमाचल प्रदेश में 12 से 16 अगस्त के बीच भारी बारिश हो सकती है, जबकि उत्तराखंड में 11 से 16 अगस्त के बीच भारी बारिश होने की संभावना है।

एमपी का मौसम: मध्य प्रदेश के मध्य भारत में भारी बारिश वाले मुख्य इलाकों में से एक बने रहने की संभावना है। पश्चिमी एमपी में 11 से 12 अगस्त के बीच काफी ज्यादा या व्यापक बारिश होने की उम्मीद है, जबकि पूर्वी मध्य प्रदेश में 11 से 16 अगस्त के बीच व्यापक बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि 11 और 12 अगस्त को पश्चिमी मध्य प्रदेश में और 11 अगस्त तथा फिर 13 से 15 अगस्त के बीच पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है।

यूपी के सभी मुख्य डाकघरों में अब रविवार को भी मिलेगी आधार सेवा, बायोमीट्रिक अपडेट कराना हुआ आसान

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यालय परिक्षेत्र के जिलों में रविवार को भी आधार पंजीयन, अपडेट और संशोधन सुविधा शुरू करने के बाद इस व्यवस्था को प्रदेश के सभी जिलों में लागू किया जा रहा है। अब सभी जिलों में मुख्य डाकघर (हेड पोस्ट ऑफिस) में रविवार को आधार का एक-एक काउंटर शुरू किया जा रहा है। मुख्यालय परिक्षेत्र के लखनऊ, सीतापुर, अयोध्या, रायबरेली व बाराबंकी सहित कई जिलों में यह व्यवस्था प्रभावी है, जबकि अन्य जिलों को भी यह व्यवस्था शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। पोस्ट मास्टर जनरल (पीएमजी) सुनील कुमार राय ने बताया कि मुख्यालय के छह जिलों (लखनऊ, रायबरेली, अंबेडकरनगर, सीतापुर, बाराबंकी व अयोध्या) के 156 डाकघरों में आधार सेवा केंद्र संचालित हैं, जबकि 886 मोबाइल डिवाइस के जरिए घर-घर आधार सेवाएं भी दी जा रही हैं, लेकिन बड़ी संख्या में लोग आधार पंजीयन या अपडेट इसलिए नहीं करा पा रहे हैं, क्योंकि वे कार्यदिवस में ऑफिस, विद्यालय या अन्य कार्यों को छोड़कर आ नहीं पाते।

मई में भी लागू हुई थी व्यवस्था: इसे देखते हुए मुख्यालय परिक्षेत्र में गत मई में रविवार को आधार बनाने की व्यवस्था लागू की गई थी। परिक्षेत्र में गत अप्रैल से 22 जुलाई तक 91,650 आधार नामांकन किए गए, जबकि 3,66,537 लोगों के आधार अपडेट व संशोधित किए गए। निश्चित ही रविवार को भी आधार पंजीयन शुरू किए जाने से लोगों को आसानी हुई। अब इसे प्रदेश के सभी जिलों में लागू करने का निर्णय लिया गया।

पांच व 15 वर्ष की आयु पर बच्चों का आधार अपडेट अनिवार्य

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने बच्चों के पांच और 15 वर्ष की आयु पूरी करने पर अनिवार्य बायोमीट्रिक अपडेट (एमबीयू) को अनिवार्य किया है। पांच और 15 वर्ष की आयु पर बच्चों के आधार में फिंगर प्रिंट, आइरिस और फोटोग्राफ अनिवार्य रूप से अपडेट किया जाता है। बच्चों के बायोमीट्रिक डेटा की सटीकता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए एमबीयू का समय पर पूरा होना आवश्यक है। बायोमीट्रिक अपडेट होने से स्कूल में प्रवेश, परीक्षाओं के लिए पंजीकरण, छात्रवृत्ति व डीबीटी योजनाओं के लाभ में आधार के उपयोग में दिक्कत नहीं आती। सरकारी कर्मचारियों व विद्यालयों में कार्यरत स्टाफ एवं विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह पहल की गई है।

हम अकेले बोझ नहीं उठाएंगे': चीन के बढ़ते दबदबे का असर, क्या एशिया को भी बेसहारा छोड़ रहा अमेरिका

मनीला, एजेंसी। पेंटागन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एशिया में अपने सहयोगी देशों से रक्षा क्षेत्र में अधिक निवेश करने की अपील की है। उन्होंने ये भी कहा कि अमेरिका अपने सहयोगी देशों के साथ साझेदार के रूप में काम करना चाहता है न कि संरक्षित देशों के रूप में। अमेरिकी अधिकारी के इस बड़े बयान के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या यूरोप की तरह अब अमेरिका एशिया में भी अपनी मौजूदगी को सीमित करने पर विचार कर रहा है गौरतलब बात ये है कि ये बयान ऐसे समय सामने आया है, जब चीन एशिया में अपना दबदबा लगातार बढ़ा रहा है और उसका कई एशियाई देशों के साथ समुद्री सीमा को लेकर विवाद चल रहा है। अमेरिकी अधिकारी ने फिलीपींस में की ये टिप्पणीअमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन में अंडर सेक्रेटरी एल्ब्रिज कोल्बी ने फिलीपींस में एक कार्यक्रम के दौरान यह टिप्पणी की। कोल्बी इन दिनों दक्षिण-पूर्व एशिया के दौरे पर हैं और अपने पहले पड़ाव पर वह फिलीपींस पहुंचे हैं। इसके बाद वह इंडोनेशिया, थाईलैंड और कंबोडिया का दौरा करेंगे। कोल्बी ने यह भी दोहराया कि ईरान युद्ध और मध्य पूर्व में मौजूदा अमेरिकी व्यस्तताओं के बावजूद वाशिंगटन एशिया से पीछे नहीं हट रहा है।कोल्बी ने विदेशी राजनयिकों, सैन्य अधिकारियों, कारोबारियों और पत्रकारों की मौजूदगी वाले कार्यक्रम में कहा, 'अमेरिका बेशक एशिया से पीछे नहीं हट रहा है और हमारे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हित यहां हमारी स्थायी मौजूदगी की मांग करते हैं। हम जा नहीं रहे हैं; बल्कि हम यहां अपनी स्थिति और मजबूत कर रहे हैं, ताकि शक्ति संतुलन हमारे अनुकूल बना रहे। हम एशिया को बेहद अहम क्षेत्र मानते हैं।'चीन की आलोचना से किया परहेजकोल्बी ने क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता को लेकर अमेरिका की ओर से आमतौर पर की जाने वाली तीखी आलोचना से परहेज किया।

मेरठ से नकली चूड़ियां लाकर राजस्थान में गोल्ड लोन की ठगी, डेढ़ करोड़ हड़पने वाला गिरोह गिरफ्तार

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के टोंक में नकली सोना गिरवी रखकर कर्ज लेने के बहाने डेढ़ करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जांच एवं पूछताछ में सामने आया कि आरोपित उत्तरप्रदेश के मेरठ से सोने जैसी दिखने वाली नकली चूडियां बहुत कम दामों में खरीद कर लाते थे और फिर राज्य में गोल्ड लोन देने वाली कंपनियों अथवा साहूकारों से उन्हे गिरवी रखकर कर्ज लेते थे। टोंक के मेहंदवास थाना पुलिस में मामला दर्ज हुआ है। पुलिस के अनुसार, लांबा चमनपुरा गांव निवासी अंकित शर्मा ने पिछले माह एक गोल्ड लोन कंपनी से 40 हजार रूपये का कर्ज लिया था। इसके बाद छह अगस्त को अंकित फिर सोने जैसी नजर आने वाली चार चूडियां लेकर कंपनी के कार्यालय पर पहुंचा। कंपनी ने चूडियों की जांच करने के बाद चार लाख 39 हजार रूपये का कर्ज दे दिया। इसके बाद अंकित आठ अगस्त को फिर कंपनी में चार चूडियां लेकर पहुंचा तो कंपनी के प्रबंधक को शक हुआ। उन्होंने पुलिस को सूचना देने के साथ ही चूडियों की गहनता से जांच की। जांच में चूडियां नकली निकली। इस दौरान पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने अंकित और उसके दो अन्य साथियों को पकड़ लिया। पूछताछ में तीनों ने बताया कि वे मेरठ से सोने जैसी चमकदार परत वाली चूडियां लेकर आते थे और राजस्थान में आकर गोल्ड लोने देवे वाली कंपनियों एवं साहूकारों से कर्ज लेकर ठगी करते थे। फिर कर्ज का पैसा लेकर फरार हो जाते थे। पुलिस थाना अधिकारी भंवरलाल वैष्णव ने बताया कि पुलिस ने शनिवार को अंकित, सिंकदर और दीपक को गिरफ्तार किया।

पटना में 6 साल में 19 गुना बढ़ी सीएनजी की खपत

● हर दिन 1.40 लाख किलो गैस की मांग

पटना, एजेंसी। राजधानी में सीएनजी के नेटवर्क में लगातार विस्तार हो रहा है। खपत भी कई गुना बढ़ी है। गेल इंडिया ने पटना में सात वर्ष पहले तीन सीएनजी स्टेशनों से आपूर्ति आरंभ की थी। फरवरी 2025 तक पटना और आसपास के इलाकों में 30 स्टेशन संचालित हो रहे थे। इसके बाद भी स्टेशनों का विस्तार जारी रहा और वर्तमान में संख्या 41 हो गई है। गेल के महाप्रबंधक एके सिन्हा ने बताया कि वर्ष 2019-20 में 19 लाख किलो सीएनजी की आपूर्ति हो रही थी। वहीं, 2020-21 में 47 लाख, 2021-22 में 1.27 करोड़, 2022-23 में 2.52 करोड़ और 2023-24 में बढ़कर 3.14 करोड़ किलो हो गई। 2024-25 में यह 3.60 करोड़ किलो तक पहुंचने का अनुमान था। यानी छह साल में सीएनजी की वार्षिक आपूर्ति करीब 19 गुना बढ़ गई। वर्तमान में पटना में प्रतिदिन 1.40 लाख किलो सीएनजी की खपत हो रही है। वर्ष 2025 में 90 हजार किलो प्रतिदिन, जबकि वर्ष 2024 में 70 हजार के आसपास खपत थी। मांग के कारण शहर और आसपास के क्षेत्रों में नए स्टेशन खोलने के साथ आपूर्ति ढांचे को भी मजबूत किया जा रहा है।

ग्रामीण इलाकों में अब भी परेशानी

सीएनजी आपूर्ति में शहरी इलाकों में पंपों पर जहां लंबी कतारें लग रही हैं, वहीं, ग्रामीण इलाके जैसे बिहटा आदि में आपूर्ति की समस्या है। उपभोक्ताओं के अनुसार, कई दिन घंटों सीएनजी नहीं है के बोर्ड पंपों पर टंगे मिलते हैं। इस कारण वाहन चालक एक-दूसरे पंप का चक्कर लगाते रहते हैं। हालांकि, पटना और आसपास के इलाके में सीएनजी-पीएनजी की आपूर्ति के लिए नौबतपुर मदर स्टेशन लंबे समय से प्रमुख आधार रहा है। इसके अलावा गर्दनीबाग में मदर सीएनजी स्टेशन विकसित की गई है। इससे गर्दनीबाग, चितकोहरा, अनिसाबाद, बेउर और आसपास के क्षेत्रों में आपूर्ति को आसान बनाया जाने की कवायद हो रही है।

राजधानी में चल रहे 60 हजार से अधिक सीएनजी वाहन

राजधानी में 60 हजार से अधिक सीएनजी वाहन का परिचालन प्रतिदिन हो रहा है। इनमें 40 हजार से अधिक ऑटो चल रहे हैं। इसके अतिरिक्त निजी कार करीब 20 हजार है। इसके अलावे बस व अन्य वाहन चल रहे हैं। सीएनजी के विस्तार के साथ शहर में गैस आधारित परिवहन का दायरा भी बढ़ा है। पेट्रोल-डीजल की तुलना में अपेक्षाकृत कम लागत और प्रदूषण कम करने की जरूरत के कारण आटो, टैक्सी और निजी वाहनों में सीएनजी की मांग बढ़ी है। इसका असर स्टेशनों पर भी दिखता है।

क्या विरोधियों से डरने लगे पुतिन, यूक्रेन युद्ध का विरोध करने वाली पार्टी क्यों नहीं लड़ पाएगी ुनाव

तेल अवीव, एजेंसी। क्या अगले संसदीय चुनाव को लेकर पुतिन डर रहे हैं दरअसल ये सवाल तब उठा जब आज रूस की सुप्रीम कोर्ट ने याब्लोको पार्टी को अगले महीने होने वाले संसदीय चुनाव से बाहर कर दिया। अदालत ने उसका चुनावी पंजीकरण रद्द कर दिया। क्योंकि याब्लोको रूस की उन राजनीतिक ताकतों में रही है जो सरकार की नीतियों की आलोचना करती रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह यूक्रेन में रूसी सैन्य कार्रवाई का खुलकर विरोध करने वाली इकलौती पंजीकृत विपक्षी पार्टी थी। पिछले महीने केंद्रीय चुनाव आयोग ने याब्लोको को 10 अन्य पार्टियों के साथ चुनाव लड़ने की अनुमति दी थी। लेकिन क्रेमलिन समर्थक मदरलैंड पार्टी की अपील के बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और अदालत ने याब्लोको को चुनावी मैदान से बाहर कर दिया।याब्लोको का यूक्रेन युद्ध को लेकर क्या रुख रहा हैयाब्लोको ने अपने चुनावी अभियान में युद्धविराम, कूटनीति और शांति की बात को प्रमुखता दी थी। पार्टी ने परमाणु युद्ध रोकने और रूस को डर तथा राजनीतिक दमन से मुक्त बनाने जैसे मुद्दे भी उठाए। पार्टी के सह-संस्थापक और राजनीतिक समिति के अध्यक्ष ग्रिगोरी याव्लिंस्की ने अदालत के फैसले की आलोचना की। उन्होंने कहा कि याब्लोको को चुनाव से बाहर करना उन लोगों से संवाद से इनकार करने जैसा है, जो सरकार से असहज सवाल पूछते हैं। याव्लिंस्की ने कहा कि पार्टी इस फैसले के खिलाफ अपील करेगी। उनके मुताबिक रूस में शांति और आजादी की मांग को सरकार ने जितना समझा था, उससे ज्यादा समर्थन मिला है। रूस के कई क्रेमलिन समर्थक दलों ने यूक्रेन को लेकर याब्लोको के रुख की आलोचना की थी। ए जस्ट रूस पार्टी के प्रमुख सर्गेई मिरोनोव ने अभियोजक जनरल कार्यालय और न्याय मंत्रालय से याब्लोको की गतिविधियों की जांच करने की अपील की थी। कम्युनिस्ट पार्टी के नेता गेन्नेडी ज्युगानोव ने भी आरोप लगाया कि याब्लोको राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नीतियों का समर्थन नहीं करती। याब्लोको को चुनाव से बाहर करने के लिए मदरलैंड पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दायर किया था। उसने याब्लोको पर कॉपीराइट का उल्लंघन करने और चुनावी खर्च की सीमा पार करने का आरोप लगाया। साथ ही पार्टी के यूक्रेन संबंधी रुख को रूस की क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ बताया गया। याब्लोको के अध्यक्ष और उसके वकीलों ने इन आरोपों को खारिज कर दिया।

याब्लोको के नेताओं पर पहले भी हुई है कार्रवाई: याब्लोको पर दबाव पिछले कुछ वर्षों में बढ़ा है। पार्टी के कई प्रमुख सदस्यों को जेल भेजा गया या उन्हें 'विदेशी एजेंट' घोषित किया गया।

गौतम और सागर अदाणी के खिलाफ अमेरिकी कोर्ट में आपराधिक आरोप खारिज, फैसले पर क्या बोले उद्योगपति

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अदाणी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने मंगलवार को अमेरिकी अदालत के आपराधिक आरोपों को खारिज करने के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने न्यायिक प्रक्रिया के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया। अदाणी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि इस चुनौतीपूर्ण दौर में सत्य, निष्पक्षता और कानून के शासन में उनका विश्वास अटूट रहा। रॉयटर्स के अनुसार, सोमवार को न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज निकोलस गारौफिस ने गौतम और सागर अदाणी के खिलाफ आपराधिक आरोप खारिज कर दिए। जज का यह फैसला संघीय अभियोजकों को आरोप वापस लेने का अधिकार देने के बाद आया। उन्होंने अभियोजकों से इसके कारणों के बारे में पूछताछ की थी। आरोपों को खारिज करते हुए जज ने कहा कि वह संतुष्ट हैं कि अदाणी ग्रुप की कथित निवेश प्रतिज्ञा ने न्याय विभाग के फैसले को प्रभावित नहीं किया। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपों को खारिज करने के संघीय अभियोजकों के निर्णयों की समीक्षा में जजों की भूमिका सीमित होती है।आरोपों का आधार और अमेरिका के ष्ठश्चछ्व का रुखगौतम अदाणी और अन्य के खिलाफ भारत में सौर ऊर्जा अनुबंधों से जुड़ी रिश्वतखोरी योजना का आरोप था। इसमें अमेरिकी निवेशकों को कथित तौर पर गुमराह करने की बात कही गई थी। इस साल मई में यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने इन आरोपों को खारिज करने की मांग की थी। इसके बाद न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के यूएस कोर्ट ने ष्ठश्चछ्व से जवाब मांगा था। इस जवाब की स्थिति को मजबूत किया, जिससे कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि जज के रुख का समर्थन करेंगे।न्याय विभाग की विस्तृत सफाईइससे पहले 4 जुलाई को ष्ठश्चछ्व ने जज को बताया था कि गौतम अदाणी और अन्य प्रतिवादियों के खिलाफ आपराधिक मामला 'कभी नहीं लाया जाना चाहिए था '। DoJ ने अदालत से सभी आरोपों को स्थायी रूप से खारिज करने का आग्रह किया। उनका तर्क था कि अभियोजन कानूनी रूप से कमजोर था, मुख्य रूप से भारत केंद्रित था और अब न्याय के हितों की पूर्ति नहीं करता था। ष्ठश्चछ्व ने विस्तृत फाइलिंग में अपने पहले के अनुरोध का बचाव किया। विभाग ने कहा कि व्यापक समीक्षा के बाद 'खारिज करने का निर्णय स्पष्ट था '।मामला भारत से जुड़ा था, जिसमें 'कई भारतीयों ने कथित तौर पर अन्य भारतीयों को रिश्वत देने की कोशिश की थी, ताकि भारत में भारतीयों को भारतीय बिजली प्रदान करने के लिए भारतीय अनुबंध मिल सकें '।प्रतिभूति धोखाधड़ी और निवेश का खंडनष्ठश्चछ्व ने आगे कहा कि 'संयुक्त राज्य अमेरिका का विश्व पुलिस होने का दिखावा कूटनीतिक तनाव पैदा कर सकता है और घरेलू चिंताओं पर बेहतर खर्च किए जाने वाले संसाधनों को भी बर्बाद करता है। भारत अपनी आंतरिक प्रणालियों को ब्रुकलिन और वाशिंगटन के अभियोजकों की तुलना में बेहतर ढंग से प्रबंधित कर सकता है।' DoJ ने यह भी कहा कि गौतम अदाणी और सागर अदाणी के खिलाफ प्रतिभूति धोखाधड़ी के आरोपों का कोई ठोस कानूनी आधार नहीं था। उन्होंने कहा, 'प्रतिभूति आरोप कभी नहीं लाए जाने चाहिए थे। तर्क दिया कि कथित आचरण लगभग पूरी तरह भारत में हुआ था और अमेरिकी प्रतिभूति कानूनों के तहत मामले को महत्वपूर्ण क्षेत्राधिकार संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ा। फाइलिंग में मीडिया रिपोर्टों को भी खारिज किया गया, जिसमें कहा गया था कि बर्खास्तगी अडानी ग्रुप के संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रस्तावित निवेश से जुड़ी थी। प्रिंसिपल एसोसिएट डिप्टी अटॉर्नी जनरल आर ट्रेंट मैककॉट्टर ने लिखा कि 'निवेश के किसी भी उल्लेख के बावजूद मैंने प्रतिभूति आरोपों को खारिज करने की मांग की होती। उन्होंने कहा कि 'संभावित निवेश का कोई भी भूमिका नहीं हो सकती।

सर्जनों को रिश्वत देने के मामले में भारतीय मूल के सीएफओ को जेल, आखिर क्या है पूरा मामला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने स्पाइनल इंप्लांट कंपनी के भारतीय मूल के मुख्य वित्तीय अधिकारी को सर्जनों को रिश्वत देने के मामले में चार महीने जेल की सजा सुनाई है। दरअसल सीएफओ ने कंपनी के उत्पादों का इस्तेमाल करने के लिए सर्जनों को रिश्वत देने की कोशिश की। अधिकारियों ने बताया कि सर्जनों को यह रिश्वत फर्जी परामर्श शुल्क के रूप में दी गई थी।जेल की सजा पूरी करने के बाद कैम्ब्रिज निवासी 41 वर्षीय आदित्य हुमाड को एक साल तक निगरानी में रहना होगा और उन पर 9,500 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया है। हुमाड ने एंटी-किकबैक कानून के उल्लंघन की साजिश रचने के आरोप में अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। हुमाड पर सितंबर 2021 में स्पाइन फ्रंटियर नामक कंपनी के संस्थापक, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी किंग्सले आर. चिन के साथ आरोप लगाए गए थे।मैसाचुसेट्स जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि हुमाड ने उन सर्जनों को 5,40,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक की रिश्वत देने और दिलाने की साजिश रची। यह रकम ऐसे फर्जी परामर्श शुल्क के रूप में दी गई, जिनके लिए सर्जनों ने वास्तव में कोई काम नहीं किया था। अधिकारियों के अनुसार, हुमाड ने सर्जनों को कंपनी के उत्पादों का इस्तेमाल करने के लिए रिश्वत देने की साजिश रची। इसके बदले कंपनी को इन सर्जनों द्वारा की गई सर्जरी से लाखों डॉलर का राजस्व प्राप्त हुआ।

40 लाख डॉलर की रकम जब्त: अमेरिकी अटॉर्नी लीह बी. फोले ने कहा कि हुमाड को जटिल रीढ़ की सर्जरी में चिकित्सकों को कंपनी के उत्पादों का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से रिश्वत देने की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया है।

सिहावल में उपखंड स्तरीय जनसुनवाई, कलेक्टर ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं: 200 से अधिक आवेदनों पर हुई सुनवाई, अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और प्रशासन को आमजन के करीब लाने के उद्देश्य से मंगलवार को सिहावल में उपखंड स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की गई जनपद पंचायत सभागार सिहावल में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर विकास मिश्रा ने स्वयं उपस्थित होकर नागरिकों की समस्याएं सुनीं इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित 200 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों से कहा कि जिन प्रकरणों का निराकरण मौके पर संभव है उनका तत्काल समाधान किया जाए वहीं जिन मामलों में जांच दस्तावेजों के परीक्षण अथवा अन्य विभागीय कार्रवाई की आवश्यकता है उनमें निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

राजस्व से लेकर शिक्षा और स्वास्थ्य तक पहुंचे आवेदन: जनसुनवाई में राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। नागरिकों ने अपनी व्यक्तिगत और सामुदायिक समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से परीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं के निराकरण में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। प्रत्येक आवेदन पर की गई कार्रवाई की प्रभावी निगरानी भी सुनिश्चित की जाए ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर राहत मिल सके कलेक्टर ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों को केवल औपचारिकता के रूप में न लिया जाए प्रत्येक प्रकरण की वास्तविक स्थिति का परीक्षण करते हुए नियमानुसार समाधान किया जाए और संबंधित आवेदक को की गई कार्रवाई से अवगत कराया जाए।

अधिकारियों की मौजूदगी से मौके पर हुई सुनवाई: जनसुनवाई में उपखंड अधिकारी सिहावल राकेश शुक्ला, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धनंजय मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के खंड स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे इसके अलावा राजस्व निरीक्षक, पटवारी और ग्राम पंचायत सचिव भी उपस्थित रहे। संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी से नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे जिम्मेदार अधिकारियों के सामने रखने का अवसर मिला कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि जनसुनवाई प्रशासन और नागरिकों के बीच सीधे संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है इसका उद्देश्य केवल आवेदन प्राप्त करना नहीं बल्कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति की समस्या का संवेदनशीलता के साथ परीक्षण कर उसका संतोषजनक और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त सभी आवेदनों पर गंभीरता से कार्रवाई करें और नागरिकों को शासन की योजनाओं एवं प्रशासनिक सेवाओं का लाभ दिलाने में किसी प्रकार की बाधा न आने दें उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समय पर समाधान करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

तिरंगा पतंग मेला में शामिल होने उपमुख्यमंत्री को दिया आमंत्रण: 11 पदक विजेता खिलाड़ियों को रिदम ग्रुप करेगा सम्मानित

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हिन्दू धर्म परिषद एवं सहयोगी संस्थाओं द्वारा आयोजित तिरंगा पतंग मेला महोत्सव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं टी.आर.एस. कॉलेज मैदान में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल को शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है आयोजकों ने उम्मीद जताई है कि उपमुख्यमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने से राष्ट्रीय पर्व पर आयोजित यह आयोजन और यादगार बनेगा आयोजकों के अनुसार तिरंगा पतंग मेला स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहरवासियों और राष्ट्रप्रेमी नागरिकों के शामिल होने की संभावना है आयोजन को सफल बनाने के लिए हिन्दू धर्म परिषद एवं सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारी लगातार संपर्क कर रहे हैं।

11 पदक विजेता खिलाड़ियों का होगा सम्मान: कार्यक्रम के दौरान विभिन्न खेलों में पदक जीतकर रीवा और प्रदेश का नाम रोशन करने वाले 11 पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा रिदम म्यूजिकल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. विनोद तिवारी ने खिलाड़ियों के सम्मान की घोषणा की है आयोजकों का कहना है कि खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है।

इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. ज्योति सिंह, डॉ. राहुल मिश्रा, जगजीवनलाल तिवारी, पन्नालाल अवस्थी और डी.पी. सिंह परिहार ने आयोजन की सफलता की कामना करते हुए कार्यक्रम का स्वागत किया अध्यक्ष ऋषिशंकर मिश्रा और संयोजक सुमित मांजवानी ने बताया कि तिरंगा पतंग मेला को भव्य और यादगार बनाने की तैयारियां जारी हैं उन्होंने रीवा शहर के सभी राष्ट्रप्रेमी नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर टी.आर.एस. कॉलेज मैदान पहुंचकर कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है।

छात्रसंघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराने की मांग

NSUI ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, लोकतांत्रिक अधिकार देने की उठाई आवाज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश NSUI के आह्वान पर मंगलवार को रीवा में छात्रसंघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया NSUI रीवा जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे और छात्रसंघ चुनाव को लेकर अपनी मांग रखी ज्ञापन में जबलपुर हाईकोर्ट द्वारा सितंबर माह के प्रथम सप्ताह में प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव कराने के निर्देश का स्वागत किया गया। NSUI ने मांग की कि छात्रसंघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली यानी Direct Election System से कराए जाएं ताकि विद्यार्थियों को अपने प्रतिनिधियों के चयन में सीधे मतदान का अधिकार मिल सके।

सीधे मतदान से प्रतिनिधि चुनने की मांग: NSUI ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव सहित अन्य प्रतिनिधियों का चुनाव छात्रों द्वारा सीधे मतदान के माध्यम से कराया जाए संगठन का कहना है कि प्रत्यक्ष चुनाव प्रक्रिया से विद्यार्थियों की लोकतांत्रिक भागीदारी मजबूत होगी और छात्र अपने प्रतिनिधियों का चयन स्वयं कर सकेंगे ज्ञापन में चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और भयमुक्त बनाने की भी मांग की गई। NSUI का कहना है कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता रहने से धनबल, दबाव, खरीद-फरोख्त और विवाद जैसी परिस्थितियों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

'छात्रों को मिलना चाहिए लोकतांत्रिक अधिकार': NSUI जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव केवल एक चुनावी प्रक्रिया नहीं, बल्कि छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकार से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय, पंजाब विश्वविद्यालय और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय सहित देश के कई प्रमुख विश्वविद्यालयों में छात्र प्रत्यक्ष चुनाव के माध्यम से अपने प्रतिनिधियों का चयन करते हैं।

सरकारी स्कूल में बच्चों से उठवाई गिट्टी: फावड़ा-तगाड़ी लेकर काम करते दिखे छात्र, वीडियो वायरल होने पर DEO ने दिए जांच के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना। (निप्र)। रामपुर बघेलान ब्लॉक के शासकीय विद्यालय त्योंधरा क्रमांक-1 में छात्रों से गिट्टी उठवाने का मामला सामने आया है मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में कुछ स्कूली बच्चे फावड़ा और तगाड़ी लेकर सड़क पर पड़ी गिट्टी को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाते दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि वीडियो करीब दो दिन पुराना है वीडियो सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में मामला पहुंचा। जिला शिक्षा अधिकारी सलोनी शर्मा ने मामले का संज्ञान लेते हुए ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को जांच के निर्देश दिए हैं।

फावड़ा-तगाड़ी लेकर काम करते दिखे बच्चे: वायरल वीडियो में बच्चे सड़क पर पड़ी गिट्टी को फावड़े से तगाड़ी में भरते और उसे दूसरी जगह ले जाते नजर आ रहे हैं वीडियो में निर्माण सामग्री हटाने का काम करते दिखाई देने के बाद छात्रों की सुरक्षा और पढ़ाई को लेकर सवाल उठे हैं शिक्षा विभाग की जांच में यह पता लगाया जाएगा कि बच्चों से गिट्टी उठवाने का काम किसके निर्देश पर कराया गया था साथ ही घटना के समय स्कूल में कौन-कौन से शिक्षक मौजूद थे और छात्रों को इस काम में लगाने की वजह क्या थी इसकी भी जानकारी जुटाई जाएगी।

जांच रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई: जांच के दौरान वायरल वीडियो की सत्यता, स्कूल की स्थिति और छात्रों से कराए गए काम से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की जाएगी ग्रामीणों और अभिभावकों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय करने की मांग की है।

रामपुर नैकिन में निकली भव्य तिरंगा यात्रा: जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों और नगरवासियों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' के तहत नगर परिषद रामपुर नैकिन में मंगलवार को देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विद्यालयों के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों, नगर परिषद के अधिकारी-कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में नगरवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हाथों में तिरंगा लेकर निकले लोगों ने राष्ट्रभक्ति के नारों के साथ नागरिकों से राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और 'हर घर तिरंगा' अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की तिरंगा यात्रा वार्ड क्रमांक-4 स्थित बस स्टैंड परिसर से प्रारंभ होकर

तहसील कार्यालय और न्यू मार्केट होते हुए न्यू बस स्टैंड परिसर पहुंची। यात्रा के दौरान पूरे नगर में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साह के साथ यात्रा में भाग लिया।

पूर्व विधायक रहे मुख्य अतिथि: कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चुरहट के पूर्व विधायक शरदेंदु तिवारी तथा विशिष्ट अतिथि देव कुमार सिंह चौहान रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद रामपुर नैकिन के अध्यक्ष रामकुमार साहू ने की मुख्य अतिथि शरदेंदु तिवारी ने नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए 'हर घर तिरंगा' अभियान को राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने वाला अभियान बताया यात्रा में नगर परिषद की उपाध्यक्ष संगीता गुप्ता सहित पार्षद नरेंद्र सिंह, नागेंद्र सिंह 'रिंकू', गुड़िया साकेत और रवि साकेत तथा एल्डरमैन रामायण अग्रहरि, सुग्रीव बहेलिया, शीला कोल और मनीष गौतम शामिल हुए।

घर-घर तिरंगा लगाने की अपील : कार्यक्रम में एसडीएम चुरहट/रामपुर नैकिन अजय शर्मा, एसडीओपी रवि प्रकाश, तहसीलदार आशीष मिश्रा, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. हरीश केसरवानी, नगर परिषद सीएमओ भैयालाल साकेत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक और छात्र-छात्राओं ने भी यात्रा में भाग लिया।

बहरी-बमुरी स्टेडियम का कलेक्टर ने किया निरीक्षण: खेल गतिविधियां बढ़ाने और सुविधाएं दुरुस्त करने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विकासखंड सिहावल के भ्रमण के दौरान कलेक्टर विकास मिश्रा ने बहरी और बमुरी स्थित स्टेडियम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेडियम परिसरों की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को खेल गतिविधियों के लिए बेहतर वातावरण तैयार करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए उपलब्ध खेल मैदानों और स्टेडियम का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहि निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्टेडियम परिसर में उपलब्ध सुविधाओं, साफ-सफाई, रख-रखाव और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि दोनों स्टेडियमों को व्यवस्थित रखते हुए खिलाड़ियों की आवश्यकता के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं परिसर में नियमित साफ-सफाई और रख-रखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि बहरी और बमुरी स्टेडियम का उपयोग केवल निर्धारित गतिविधियों तक सीमित न रहे बल्कि यहां नियमित रूप से खेलकूद प्रतियोगिताओं और अन्य खेल गतिविधियों का आयोजन कराया जाए उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में युवा खेल प्रतिभाएं मौजूद हैं उन्हें अभ्यास और प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्थानीय स्तर पर विभिन्न खेलों से जुड़ी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाए। इससे युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे कलेक्टर ने कहा कि स्टेडियमों का नियमित और बेहतर उपयोग होने से ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को शहरों की ओर जाने की आवश्यकता कम होगी तथा स्थानीय स्तर पर ही उन्हें अभ्यास के लिए उपयुक्त वातावरण मिल सकेगा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्टेडियम परिसर की साफ-सफाई और रख-रखाव को लेकर भी अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने उपलब्ध खेल सुविधाओं को व्यवस्थित रखने तथा जहां आवश्यक हो वहां सुधार कार्य कराने पर जोर दिया कलेक्टर ने कहा कि खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध होना चाहिए ताकि वे नियमित रूप से अभ्यास कर सकें उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि स्टेडियम में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर प्रबंधन किया जाए और उनकी नियमित निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

बेटी के घर जाते समय रास्ता भूली 70 वर्षीय बुजुग: दो दिन तक भटकती रहीं, सोहागपुर पुलिस ने खाना खिलाकर परिजनों से मिलाया

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। सोहागपुर पुलिस ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए दो दिनों से भटक रही 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला को सुरक्षित उनके परिजनों तक पहुंचाया नरगी निवासी संपतिया बैगा अपनी बेटी के घर सुंदरी जाने के लिए निकली थीं लेकिन रास्ता भटक जाने के कारण वह दो दिन तक आसपास के इलाकों में भटकती रहीं इस दौरान उन्हें भोजन और पानी भी नहीं मिल पाया। मंगलवार रात करीब 10 बजे संपतिया सोहागपुर बाईपास के पास सड़क किनारे बैठी मिलीं। उनकी स्थिति देखकर एक राहगीर ने डायल-112 पर पुलिस को सूचना जानकारी मिलते ही आरक्षक अजीत सिंह और पायलट राजुल तिवारी मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने बुजुर्ग महिला से बातचीत कर उनकी स्थिति और पहचान के बारे में जानकारी ली महिला ने पुलिस को बताया कि वह दो दिनों से रास्ता भटक रही हैं और इस दौरान उन्होंने कुछ खाया भी नहीं था। उनकी हालत को देखते हुए पुलिसकर्मियों ने तत्काल भोजन की व्यवस्था की और उन्हें खाना खिलाया इसके बाद पुलिस ने महिला से उनके नाम, गांव और परिवार से संबंधित जानकारी जुटाई। पूछताछ में महिला ने अपना नाम संपतिया बैगा और गांव नरगी बताया। पुलिस टीम ने उनके बताए पते की पुष्टि करने के बाद वाहन की व्यवस्था की और उन्हें नरगी गांव लेकर पहुंची वहां पुलिस ने संपतिया को सुरक्षित उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

स्कूल की कक्षा में घुसा नशे में युवक, बच्चों के सामने किया हंगामा: गाने गाए, कुर्सी घसीटी और जमीन पर लेटकर मचाया उत्पात

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के बुढार थाना क्षेत्र के शासकीय प्राथमिक विद्यालय दमकी टोला में सोमवार दोपहर एक नशे में धुत युवक के कक्षा में घुसकर हंगामा करने का मामला सामने आया है युवक ने बच्चों के सामने गाने गाए, शिक्षक की कुर्सी घसीटी और कक्षा में लेटकर हंगामा किया। घटना से कक्षा में मौजूद बच्चे सहम गए। मामले का वीडियो मंगलवार को सामने आया है प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सोमवार दोपहर करीब 3 बजे युवक नशे की हालत में स्कूल पहुंचा और सीधे बच्चों की कक्षा में घुस गया। उसने वहां फर्श पर लेटकर हंगामा करना शुरू कर दिया इस दौरान वह बच्चों के सामने गाने भी गाता रहा युवक बार-बार फिल्मी गीत की पंक्तियां दोहराता इसके साथ ही उसने शिक्षक की कुर्सी को इधर-उधर घसीटा युवक के हंगामे के दौरान स्कूल के आसपास बड़ी संख्या में ग्रामीण भी जमा हो गए ग्रामीण स्कूल की खिड़कियों से अंदर चल रहे घटनाक्रम को देखते रहे हालांकि स्थिति को देखते हुए किसी ने युवक को कक्षा से बाहर निकालने की कोशिश नहीं की कक्षा में युवक की इस तरह की हरकतों से बच्चे डर गए स्थिति बिगड़ती देख स्कूल के शिक्षक ने पुलिस को सूचना दी जानकारी मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और युवक को कक्षा से बाहर निकाला। घटना के दौरान शिक्षक ने अपने मोबाइल फोन से वीडियो भी रिकॉर्ड किया था जो मंगलवार को सामने आया वीडियो में युवक को स्कूल की कक्षा में हंगामा करते हुए देखा जा सकता है घटना के बाद बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं स्कूल परिसर में बाहरी लोगों के प्रवेश को रोकने और बच्चों की सुरक्षा के लिए निगरानी व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत भी सामने आई है।

सांदीपनि स्कूल बस का रास्ते में डीजल खत्म: भिटारी के पास घंटों खड़े रहे बच्चे, देरी से पहुंचे स्कूल; प्रबंधन पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। रामनगर स्थित शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की स्कूल बस मंगलवार सुबह रास्ते में डीजल खत्म होने के कारण बंद हो गई बस में स्कूली बच्चे सवार थे। अचानक बस रुक जाने से बच्चों को काफी देर तक परेशानी का सामना करना पड़ा इस दौरान बच्चे बस से बाहर निकलकर सड़क किनारे घूमते दिखाई दिए घटना का वीडियो भी सामने आया है। जानकारी के अनुसार विद्यालय की बस मंगलवार सुबह बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी। भिटारी के पास अचानक बस का डीजल खत्म हो गया जिसके बाद बस बीच रास्ते में खड़ी हो गई काफी देर तक बस चालू नहीं होने के कारण बच्चे परेशान होते रहे बस के बाहर सड़क किनारे बच्चों के खड़े और घूमने का वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में आया। बताया जा रहा है कि स्कूल बस में ईंधन खत्म होने की यह पहली घटना नहीं है इससे पहले भी बस के रास्ते में डीजल खत्म होने की जानकारी सामने आ चुकी है बार-बार ऐसी स्थिति बनने से बस संचालन और बच्चों की सुरक्षित एवं समय पर स्कूल पहुंचने की व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं अभिभावकों के लिए भी यह चिंता का विषय है क्योंकि स्कूल बस में बच्चों की जिम्मेदारी प्रबंधन की होती है रास्ते में बस बंद होने के दौरान बच्चों का सड़क किनारे इंतजार करना उनकी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े करता है विद्यालय के प्राचार्य सुग्रीव पटेल ने बताया कि मंगलवार को स्कूल की प्रार्थना के बाद सुबह करीब 10:45 बजे ड्राइवर ने उन्हें घटना की जानकारी दी इसके बाद बस प्रबंधन को सूचना दी गई और मौके पर डीजल भिजवाकर बस में ईंधन डलवाया गया। डीजल भरने के बाद बस को रवाना किया गया और बच्चे स्कूल पहुंचे। हालांकि, बस के रास्ते में लंबे समय तक खड़े रहने के कारण विद्यार्थियों को परेशानी हुई और वे निर्धारित समय से देरी से स्कूल पहुंचे। घटना के बाद बस के नियमित संचालन और पर्याप्त ईंधन व्यवस्था को लेकर जिम्मेदारों से जवाबदेही तय करने की मांग उठ रही है।

छात्र हित की अनदेखी

संपादकीय

जब किसी समस्या-शिकायत पर समय रहते सही तरह ध्यान नहीं दिया जाता, तब उसके कैसे नतीजे होते हैं, यह पहले दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान देखने को मिला और फिर रांची में छात्रों के विधानसभा मार्च में। दिल्ली की तरह रांची में पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा, क्योंकि भीड़ पुलिस बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ रही थी। निःसंदेह रांची में छात्रों की भीड़ की तुलना जंतर-मंतर पर सीजेपी के नेतृत्व में जुटी भीड़ से नहीं की जा सकती, क्योंकि दिल्ली में भीड़ में कुछ अराजक तत्व भी शामिल थे। इसके बावजूद इस तथ्य को भी अनदेखा न किया जाए कि पुलिस के पास उस समय बल प्रयोग के अलावा और कोई चारा नहीं रहता, जब कोई समूह किसी निषिद्ध क्षेत्र में जाने की जबरन कोशिश करता है। समस्या यह है कि जब तक कोई आंदोलनरत समूह शांतिपूर्ण रहता है, तब तक सरकारें उसकी परवाह नहीं करतीं। दिल्ली में संसद मार्च और रांची में विधानसभा के घेराव की नौबत नहीं आती, यदि दोनों जगह सरकारें समय पर सक्रियता और संवेदनशीलता दिखातीं।

रांची में राज्य सरकार की ओर से आयोजित परीक्षाओं में अनियमितता को लेकर झारखंड के छात्र 15 दिनों से अधिक समय से धरना-प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाली सरकार तब चेती, जब उसे लगा कि आक्रोशित छात्रों की संख्या बढ़ती जा रही है और वे अपनी मांगों से पीछे हटने वाले नहीं है। उसने छात्रों के दबाव में उनके प्रतिनिधियों से वार्ता करके यह दावा किया कि उनकी 98 प्रतिशत मांगें मान ली गई हैं, लेकिन छात्र इस दावे को नकार रहे हैं, क्योंकि परीक्षाओं में धांधली की सीबीआइ जांच की उनकी मांग नहीं मानी गई। समझना कठिन है कि जब राज्य सरकार परीक्षाओं में धांधली की जांच कर ही रही है और प्रथमदृष्टया यह सिद्ध हो गया है कि परीक्षाओं में अनियमितता हुई, तब फिर उसे इसकी जांच सीबीआइ से कराने में क्या हर्ज है? यदि केंद्र सरकार कॉकरोच जनता पार्टी के दबाव में शिक्षा मंत्री का त्यागपत्र ले सकती है, तो झारखंड सरकार परीक्षाओं में गड़बड़ी की सीबीआइ जांच की तार्किक मांग मानने से क्यों इन्कार कर रही है? पता नहीं क्यों सरकारें यह समझने के लिए आसानी से तैयार नहीं होतीं कि जायज मांगों के प्रति केवल संवेदनशील दिखना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि कुछ ठोस कदम भी उठाने पड़ते हैं। इससे ही आक्रोश शांत होता है और पीड़ित लोगों में न्याय मिलने का भरोसा पैदा होता है। यदि झारखंड सरकार छात्रों का भरोसा हासिल नहीं कर सकी तो इसके लिए वही जिम्मेदार है। वह इसके लिए भी जिम्मेदार है कि छात्रों के आंदोलन को लेकर दलगत राजनीति शुरू हो गई और पुलिस बल प्रयोग भी एक मुद्दा बन गया।

जंगल का राजा ही नहीं, प्रकृति के संतुलन का प्रहरी भी है सिंह

सुरेश सिंह बैस

विश्व में प्रतिवर्ष 10 अगस्त को विश्व सिंह दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य सिंहों के संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, उनके प्राकृतिक आवासों की रक्षा करना तथा विलुप्ति के बढ़ते खतरे से उन्हें बचाने के लिए वैश्विक प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। सिंह केवल एक वन्यजीव नहीं, बल्कि साहस, शक्ति, स्वाभिमान और नेतृत्व का सार्वभौमिक प्रतीक है। भारतीय संस्कृति, इतिहास और धार्मिक परंपराओं में सिंह का विशेष स्थान रहा है। माँ दुर्गा का वाहन सिंह है, जबकि प्राचीन राजवंशों और राष्ट्रीय प्रतीकों में भी सिंह की गौरवपूर्ण उपस्थिति दिखाई देती है।

एक समय था जब सिंह एशिया, अफ्रीका और यूरोप के विस्तृत क्षेत्रों में विचरण करते थे। किंतु आज उनका अस्तित्व सीमित होता जा रहा है। अवैध शिकार, प्राकृतिक आवासों का लगातार सिकुड़ना, मानव-वन्यजीव संघर्ष और जलवायु परिवर्तन ने सिंहों के जीवन को संकट में डाल दिया है। अफ्रीका में सिंहों की संख्या पिछले कुछ दशकों में उल्लेखनीय रूप से घटी है और एशियाई सिंह आज लगभग पूरी तरह भारत के गुजरात स्थित गिर राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्य और उसके आसपास के क्षेत्रों तक सीमित हैं। भारत के लिए यह गर्व की बात है कि एशियाई सिंहों का अंतिम सुरक्षित प्राकृतिक आश्रय गिर का वन क्षेत्र है। यहाँ संरक्षण के सफल प्रयासों के कारण उनकी संख्या में वृद्धि हुई है। यह उपलब्धि बताती है कि यदि सरकार, वैज्ञानिक, वन विभाग और स्थानीय समुदाय मिलकर कार्य करें तो विलुप्ति के कगार पर पहुँची प्रजातियों को भी सुरक्षित भविष्य दिया जा सकता है। सिंह खाद्य श्रृंखला के शीर्ष शिकारी हैं। वे जंगल में शाकाहारी जीवों की संख्या को संतुलित रखते हैं, जिससे वनस्पतियों और पूरे पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बना रहता है। यदि सिंह जैसे शीर्ष शिकारी समाप्त हो जाएँ तो प्राकृतिक संतुलन बिगड़ सकता है, जिसका प्रभाव अंततः मानव जीवन पर भी पड़ेगा। विश्व सिंह दिवस हमें यह भी सिखाता है कि प्रकृति का प्रत्येक जीव अपने आप में अनमोल है। सिंहों का संरक्षण केवल एक प्रजाति को बचाने का प्रयास नहीं, बल्कि संपूर्ण जैव-विविधता और पृथ्वी के भविष्य की रक्षा का संकल्प है। आने वाली पीढ़ियों को तभी जीवंत जंगल और समृद्ध वन्य जीवन मिलेगा, जब आज हम संरक्षण को अपनी सामूहिक जिम्मेदारी बनाएं। आज आवश्यकता इस बात की है कि वनों का अंधाधुंध विनाश रोका जाए, वन्यजीव अपराधों पर कठोर नियंत्रण हो, स्थानीय समुदायों की सहभागिता बढ़ाई जाए तथा बच्चों और युवाओं में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित की जाए। यही विश्व सिंह दिवस का वास्तविक संदेश है। सिंह की गर्जना केवल जंगल की आवाज़ नहीं, बल्कि प्रकृति की चेतावनी भी है कि यदि हमने जैव-विविधता की रक्षा नहीं की, तो पृथ्वी का प्राकृतिक संतुलन गंभीर संकट में पड़ जाएगा। आइए, विश्व सिंह दिवस पर हम संकल्प लें कि जंगल, वन्यजीव और पर्यावरण की रक्षा को अपना नैतिक कर्तव्य मानेंगे। यही प्रकृति और मानवता दोनों के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी होगी।

स्वतंत्रता संघर्ष की जनक्रांति के अनछुए रोचक पहलू

डॉ.शैलेश शुक्ला

भारत छोड़ो आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का वह निर्णायक अध्याय था, जिसने ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष को एक नए और अंतिम बड़े चरण में पहुंचा दिया। आम तौर पर इसे महात्मा गांधी के 'करो या मरो' के आह्वान और 9 अगस्त 1942 की गिरफ्तारियों के साथ याद किया जाता है, लेकिन इसकी कहानी इससे कहीं अधिक व्यापक और रोचक है। यह केवल कांग्रेस द्वारा चलाया गया कोई सामान्य राजनीतिक आंदोलन नहीं था। जब इसके बड़े नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया, तब विद्यार्थियों, किसानों, श्रमिकों, महिलाओं और स्थानीय कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में आंदोलन को आगे बढ़ाया। कई जगह भूमिगत गतिविधियां शुरू हुई और कुछ क्षेत्रों में लोगों ने समानांतर प्रशासन चलाने का भी प्रयास किया। इस दृष्टि से भारत छोड़ो आंदोलन भारतीय जनता की राजनीतिक चेतना, स्वतंत्रता की इच्छा और ब्रिटिश शासन को चुनौती देने की एक बड़ी अभिव्यक्ति था।

भारत छोड़ो आंदोलन की पृष्ठभूमि द्वितीय विश्वयुद्ध से जुड़ी थी। 1939 में ब्रिटेन ने भारतीय नेताओं से सलाह लिए बिना भारत को भी युद्ध में शामिल घोषित कर दिया। कांग्रेस ने इसका विरोध किया। उसका कहना था कि भारत को अपने भविष्य के बारे में स्वयं निर्णय लेने का अधिकार होना चाहिए। युद्ध के आगे बढ़ने के साथ भारत की राजनीतिक स्थिति और कठिन होती गई। 1942 में ब्रिटिश सरकार ने क्रिप्स मिशन को भारत भेजा। इसका उद्देश्य भारतीय नेताओं के साथ संवैधानिक व्यवस्था को लेकर समझौता करना था, लेकिन कांग्रेस और अन्य भारतीय राजनीतिक शक्तियों के साथ कोई सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद कांग्रेस के भीतर यह विचार मजबूत हुआ कि भारत से ब्रिटिश शासन का तत्काल अंत होना चाहिए। 14 जुलाई 1942 को कांग्रेस कार्यसमिति ने एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया। इसमें ब्रिटिश शासन को समाप्त करने और भारत को स्वतंत्र करने की मांग की गई। इस प्रस्ताव में भारत की स्वतंत्रता को केवल भारत का प्रश्न नहीं माना गया, बल्कि दुनिया में स्वतंत्रता और फासीवाद तथा नाज़ीवाद के खिलाफ चल रहे संघर्ष से भी जोड़ा गया। कांग्रेस का विचार था कि एक स्वतंत्र भारत ही विश्व में स्वतंत्रता और शांति के व्यापक प्रयासों में प्रभावी भूमिका निभा सकता है। भारत छोड़ो आंदोलन का उद्देश्य केवल अंग्रेजों को भारत से बाहर भेजना नहीं था। कांग्रेस के दस्तावेजों में लोकप्रिय भारतीय प्रतिनिधियों को सत्ता सौंपने की बात भी कही गई थी। 5 अगस्त 1942 के प्रस्ताव के मसौदे में ब्रिटिश शासन को तत्काल समाप्त करना भारत और मित्र राष्ट्रों के युद्ध-प्रयासों के लिए आवश्यक बताया गया था। इसका अर्थ यह था कि भारत की स्वतंत्रता केवल भारतीय जनता के हित में ही नहीं, बल्कि दुनिया में स्वतंत्रता और शांति के व्यापक उद्देश्य के लिए भी जरूरी मानी जा रही थी। 8 अगस्त 1942 को बंबई में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति की बैठक में भारत छोड़ो प्रस्ताव को अंतिम रूप से स्वीकार किया गया। बैठक ग्वालिया टैंक मैदान में हुई, जिसे बाद में अगस्त क्रांति मैदान कहा गया।

इसी अवसर पर महात्मा गांधी ने प्रसिद्ध 'करो या मरो' का आह्वान किया। ÒQuit IndiaÓ और 'करो या मरो' को अक्सर एक ही व्यक्ति से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन दोनों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि अलग थी। ÒQuit IndiaÓ नारे को लोकप्रिय बनाने में कांग्रेस के समाजवादी नेता यूसुफ मेहरअली की महत्वपूर्ण भूमिका थी। उन्होंने यह नारा सुझाया था, गांधी ने इसे स्वीकार किया और मेहरअली ने आंदोलन से पहले इसी नाम की पुस्तक भी प्रकाशित की। उन्होंने ÒQuit IndiaÓ लिखे बैजों के माध्यम से भी इस नारे को लोकप्रिय बनाया।

आंदोलन का आरंभिक कार्यक्रम सत्याग्रह और जन-असहयोग की भावना पर आधारित था। भूमिगत रूप से प्रसारित एक महत्वपूर्ण दस्तावेज 'ट्वेल्व-पॉइंट प्रोग्राम' था। इसमें हड़ताल करने, नमक बनाने और विद्यार्थियों से कक्षाओं का बहिष्कार करने जैसे कार्यक्रमों का उल्लेख था। उस समय ब्रिटिश सरकार ने प्रेस पर कड़ा नियंत्रण लगा रखा था। इसलिए ऐसे भूमिगत साहित्य, पर्चों और संदेशों ने आंदोलन की खबरें लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गांधी के 'करो या मरो' और 'विजय या मृत्यु' जैसे संदेश भी ऐसे साहित्य के माध्यम से लोगों तक पहुंचे। 8 अगस्त की बैठक समाप्त होने के तुरंत बाद ब्रिटिश सरकार ने कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को गिरफ्तार करने की कार्रवाई शुरू कर दी। 9 अगस्त की सुबह महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद और कांग्रेस के अनेक प्रमुख नेता गिरफ्तार कर लिए गए। इस तरह आंदोलन के औपचारिक राष्ट्रीय आह्वान के तुरंत बाद उसका केंद्रीय नेतृत्व जेल में डाल दिया गया। लेकिन इससे आंदोलन खत्म नहीं हुआ। इसके विपरीत, अनेक क्षेत्रों में स्थानीय नेताओं और आम लोगों ने अपने स्तर पर आंदोलन को आगे बढ़ाना शुरू कर दिया। 9 अगस्त 1942 का एक महत्वपूर्ण दृश्य बंबई के ग्वालिया टैंक मैदान से जुड़ा है। शीर्ष नेताओं की गिरफ्तारी के बावजूद अरुणा आसफ अली वहां पहुंचीं और राष्ट्रीय ध्वज फहराया। पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया और गोलीबारी में लोगों के मारे जाने तथा घायल होने की घटनाएं हुई। इसके बाद अरुणा आसफ अली भूमिगत आंदोलन का एक प्रमुख चेहरा बन गईं। यह घटना इस बात का प्रतीक बन गई कि नेताओं की गिरफ्तारी के बाद भी जनता का आंदोलन रुकने वाला नहीं था। भारत छोड़ो आंदोलन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक उसका भूमिगत स्वरूप था। ब्रिटिश सरकार की सेंसरशिप और गिरफ्तारियों के कारण आंदोलनकारियों ने समाचार और संदेश पहुंचाने के नए तरीके अपनाए। भूमिगत समाचार-पत्र, पर्चे, बुलेटिन और गुप्त प्रसारण आंदोलन के महत्वपूर्ण साधन बने। इस दौरान यह भी स्पष्ट हुआ कि किसी बड़े राजनीतिक संघर्ष में सूचना स्वयं प्रतिरोध का एक शक्तिशाली माध्यम बन सकती है।इस भूमिगत गतिविधि का सबसे प्रसिद्ध उदाहरण उषा मेहता और उनके साथियों द्वारा चलाया गया गुप्त कांग्रेस रेडियो था। इस रेडियो के माध्यम से सरकारी सेंसरशिप से बचकर आंदोलन से जुड़ी खबरें और संदेश प्रसारित किए जाते थे। कांग्रेस रेडियो का पहला प्रसारण अगस्त 1942 के अंत में शुरू हुआ। इसका महत्व केवल समाचार पहुंचाने तक सीमित नहीं था। इसने आंदोलनकारियों और आम जनता को यह विश्वास दिलाया कि ब्रिटिश सरकार के संचार माध्यमों पर नियंत्रण के बावजूद स्वतंत्रता की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। भारत छोड़ो आंदोलन का एक और महत्वपूर्ण पक्ष कुछ क्षेत्रों में समानांतर सरकारों का उभरना था। ब्रिटिश प्रशासन को कई जगह गंभीर चुनौती मिली और स्थानीय आंदोलनकारियों ने वैकल्पिक प्रशासन चलाने का प्रयास किया। उत्तर प्रदेश के बलिया में चित्तू पांडे के नेतृत्व में 19 अगस्त 1942 को अल्पकालिक राष्ट्रीय सरकार स्थापित हुई। आंदोलनकारियों ने जिला प्रशासन पर नियंत्रण स्थापित किया और गिरफ्तार कांग्रेस नेताओं की रिहाई कराई। हालांकि ब्रिटिश सेना के वापस आने के बाद यह व्यवस्था बहुत जल्दी समाप्त हो गई। बलिया की घटना यह बताती है कि आंदोलनकारियों में केवल अंग्रेजी शासन का विरोध करने की इच्छा ही नहीं थी, बल्कि वे अपने स्तर पर स्थानीय शासन चलाने की क्षमता भी दिखाना चाहते थे। बंगाल के तमलुक और कांथी क्षेत्र में तम्रलिप्त जातीय सरकार का गठन हुआ। इसका गठन 17 दिसंबर 1942 को हुआ। यह व्यवस्था अपेक्षाकृत लंबे समय तक चली और न्याय, शांति-सुरक्षा तथा गरीबों की सहायता जैसे काम करने का प्रयास किया गया। सरकारी अभिलेखों में इसके समाप्त होने को लेकर अगस्त 1944 का उल्लेख मिलता है, हालांकि कुछ विवरण इसे सितंबर 1944 तक चलने की बात भी कहते हैं। इसलिए इसकी समाप्ति की सटीक तारीख को लेकर स्रोतों में अंतर दिखाई देता है। इतना निश्चित है कि यह भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उभरी सबसे महत्वपूर्ण समानांतर प्रशासनिक व्यवस्थाओं में से एक थी। महाराष्ट्र का सतारा भी इस संदर्भ में बहुत महत्वपूर्ण था। वहां क्रांतिसिंह नाना पाटील के नेतृत्व में प्रति सरकार का गठन हुआ। इसका प्रभाव सैकड़ों गांवों तक फैला। इस व्यवस्था ने बाजार, कानून-व्यवस्था और खाद्य वितरण जैसे क्षेत्रों में वैकल्पिक व्यवस्था खड़ी करने का प्रयास किया। इसके साथ तूफान सेना नामक एक सशस्त्र संगठन भी जुड़ा था। सतारा का अनुभव यह दिखाता है कि भारत छोड़ो आंदोलन पूरे देश में एक ही तरीके से नहीं चला। अलग-अलग क्षेत्रों में स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार आंदोलन के तरीके भी अलग रहे। उड़ीसा के तालचर में भी ब्रिटिश प्रशासन को चुनौती देने का प्रयास हुआ। वहां 'चासी माउलिया' और 'मजदूर राज' जैसी वैकल्पिक शासन-व्यवस्था की कल्पना सामने आई। इसमें स्थानीय संस्थाओं को वयस्क मताधिकार के आधार पर बनाने की बात थी। यह पहल इसलिए महत्वपूर्ण थी क्योंकि इससे पता चलता है कि स्वतंत्रता आंदोलन के कुछ स्थानीय प्रयोग केवल अंग्रेजों के विरोध तक सीमित नहीं थे। उनमें यह सोच भी थी कि स्वतंत्र भारत में शासन किस प्रकार जनता के अधिक करीब हो सकता है। भारत छोड़ो आंदोलन का सामाजिक आधार भी बहुत व्यापक था। प्रमुख नेताओं की गिरफ्तारी के बाद विद्यार्थियों, श्रमिकों, किसानों और स्थानीय कार्यकर्ताओं ने अनेक क्षेत्रों में आंदोलन को आगे बढ़ाया। हड़तालें हुईं, जुलूस निकले, सरकारी संस्थानों का बहिष्कार किया गया और कई जगह संचार व्यवस्था को बाधित किया गया। हालांकि आंदोलन के हर हिस्से में गांधीजी के अहिंसक अनुशासन का पालन नहीं हुआ। कुछ क्षेत्रों में सरकारी भवनों पर हमले हुए, रेलवे और तार व्यवस्था को नुकसान पहुंचाया गया और अन्य हिंसक घटनाएं भी हुईं। इसलिए 1942 के आंदोलन को समझते समय गांधीजी के अहिंसक दर्शन और आंदोलन के कुछ हिस्सों में हुई हिंसक कार्रवाइयों, दोनों को ध्यान में रखना आवश्यक है। महिलाओं की भूमिका भी भारत छोड़ो आंदोलन की महत्वपूर्ण विशेषता थी। अरुणा आसफ अली के अलावा अनेक महिलाओं ने भूमिगत गतिविधियों में भाग लिया, संदेश पहुंचाए, आंदोलनकारियों को आश्रय दिया और उनकी सहायता की। विद्यार्थियों ने भी आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ब्रिटिश दमन और प्रेस सेंसरशिप के बावजूद आंदोलन से जुड़ी खबरें देश के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचती रहीं। व्यापक जनभागीदारी ने इस आंदोलन को केवल कांग्रेस संगठन की गतिविधि न रहने देकर एक बड़े जनप्रतिरोध का रूप दे दिया। भारत छोड़ो आंदोलन तत्काल भारत को स्वतंत्र नहीं करा सका। ब्रिटिश सरकार ने गिरफ्तारियों, कठोर दमन और सैन्य तथा प्रशासनिक शक्ति का इस्तेमाल करके आंदोलन को दबाने का प्रयास किया। हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया और कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व लंबे समय तक जेल में रहा। फिर भी इस आंदोलन का ऐतिहासिक महत्व बहुत बड़ा था। इसने ब्रिटिश शासन के सामने भारतीय जनता की स्वतंत्रता की इच्छा को बहुत स्पष्ट रूप से रखा और यह दिखाया कि अब भारत में औपनिवेशिक शासन को पहले की तरह आसानी से स्वीकार नहीं किया जा सकता। भारत को 1947 में स्वतंत्रता केवल भारत छोड़ो आंदोलन के कारण नहीं मिली। भारतीय स्वतंत्रता अनेक दशकों के संघर्ष का परिणाम थी। इसमें कांग्रेस और अन्य राजनीतिक आंदोलनों, सामाजिक जागरण, क्रांतिकारी गतिविधियों, सैनिक असंतोष, द्वितीय विश्वयुद्ध के प्रभाव और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों सहित अनेक कारकों की भूमिका रही। युद्ध समाप्त होने के बाद ब्रिटेन की आर्थिक और राजनीतिक स्थिति भी बदल गई थी।

इसलिए 1942 को स्वतंत्रता का अकेला कारण मानना सही नहीं होगा। फिर भी भारत छोड़ो आंदोलन स्वतंत्रता के अंतिम चरण का एक निर्णायक जन-अध्याय था।भारत छोड़ो आंदोलन की सबसे बड़ी विरासत शायद यही थी कि जब देश के शीर्ष नेता जेल में बंद थे, तब आम लोगों ने अपने-अपने तरीके से आंदोलन को जीवित रखा। 'त्न्ह्वद्बह्ल द्ढठ्ठस्त्रद्बड्ड' का नारा, गांधी का 'करो या मरो' का आह्वान, भूमिगत रेडियो और साहित्य, विद्यार्थियों और महिलाओं की भागीदारी तथा बलिया, तमलुक, सतारा और तालचर जैसे क्षेत्रों में वैकल्पिक प्रशासन के प्रयास इस व्यापक जनऊर्जा के अलग-अलग रूप थे। इसलिए भारत छोड़ो आंदोलन को केवल 8 अगस्त 1942 के प्रस्ताव या 9 अगस्त की गिरफ्तारियों तक सीमित करके देखना उसके पूरे इतिहास को समझना नहीं होगा। इसका वास्तविक महत्व उस राजनीतिक चेतना में था, जिसने यह स्पष्ट किया कि भारत का भविष्य भारत के लोगों के हाथ में होना चाहिए। स्वतंत्रता का अर्थ केवल विदेशी शासन का अंत नहीं था, बल्कि जनता को अपने राजनीतिक भविष्य का निर्णय करने का अधिकार मिलना भी था। 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन इसी अधिकार की सबसे बड़ी और व्यापक राष्ट्रीय पुकारों में से एक था।

युवा सपनों को पंख मिले, तभी नई ऊंचाईयां छुएगा भारत

युवा किसी भी राष्ट्र की जनसंख्या का केवल एक बड़ा हिस्सा नहीं बल्कि उसकी ऊर्जा, रचनात्मकता, नवाचार, परिवर्तन की आकांक्षा और भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी होते हैं। दुनिया के अलग-अलग देशों, समाज और आर्थिक परिस्थितियों में रहने वाले युवाओं की समस्याएं भले ही अलग-अलग दिखाई दें लेकिन उनके सपनों और आकांक्षाओं में आश्चर्यजनक समानता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सम्मानजनक रोजगार, सुरक्षित और स्वस्थ जीवन, सामाजिक न्याय, स्वतंत्र अभिव्यक्ति तथा अपने भविष्य से जुड़े निर्णयों में सार्थक भागीदारी, ये ऐसी साझा आकांक्षाएं हैं, जो सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों से परे पूरी दुनिया के युवाओं को एक सूत्र में जोड़ती हैं। इसी सार्वभौमिक सत्य को रेखांकित करता है अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 का विषय 'विभिन्न परिस्थितियां, साझा आकांक्षाएं'। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इस वर्ष की थीम वैश्विक एकजुटता, साझा चुनौतियों और युवा नवाचार को केंद्र में रखती है।

योगेश कुमार गोयल

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस (12 अगस्त) पर विशेष

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस प्रत्येक वर्ष 12 अगस्त को मनाया जाता है। इस दिवस की अवधारणा 1991 में वियना, ऑस्ट्रिया में आयोजित संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के विश्व युवा मंच के प्रथम सत्र में युवाओं द्वारा रखे गए प्रस्ताव से विकसित हुई थी और 12 अगस्त 2000 को पहली बार अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। तब से यह दिवस युवाओं से जुड़े मुद्दों को वैश्विक विमर्श के केंद्र में लाने तथा उन्हें विकास प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार बनाने का माध्यम बना हुआ है। वर्ष 2026 की थीम अपने आप में आज की युवा पीढ़ी की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करती है। दुनिया का कोई युवा युद्ध और विस्थापन के बीच भविष्य तलाश रहा है, कोई जलवायु परिवर्तन से प्रभावित छोटे द्वीपीय देश में अपने अस्तित्व की चिंता कर रहा है तो कोई कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तेजी से बदलती रोजगार व्यवस्था के बीच अपने कौशल को प्रासंगिक बनाए रखने की चुनौती से जूझ रहा है। कहीं युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच नहीं मिलती, कहीं शिक्षा तो है लेकिन रोजगार के अवसर सीमित हैं। कहीं डिजिटल तकनीक अवसरों के नए द्वार खोल रही है तो कहीं डिजिटल विभाजन युवाओं को विकास की मुख्यधारा से बाहर कर रहा है।

संयुक्त राष्ट्र का आकलन बताता है कि शिक्षा, रोजगार, जलवायु परिवर्तन, डिजिटल समावेशन और मानसिक स्वास्थ्य जैसी चुनौतियां अलग-अलग परिस्थितियों में रहने वाले युवाओं को साझा रूप से प्रभावित कर रही हैं। इसके बावजूद युवा दुनिया की सबसे बड़ी परिवर्तनकारी शक्ति हैं। वे जलवायु कार्रवाई में नेतृत्व कर रहे हैं, सामाजिक उद्यम खड़े कर रहे हैं, डिजिटल समाधान विकसित कर रहे हैं, नई तकनीकों को अपना रहे हैं और अपने समुदायों की समस्याओं के स्थानीय समाधान खोज रहे हैं। भारत के लिए वर्ष 2026 का विषय बेहद प्रासंगिक है। राष्ट्रीय युवा नीति के मसौदे के अनुसार, भारत में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की संख्या 2021 के अनुमान में लगभग 37.14 करोड़ यानी कुल आबादी का लगभग 27.3 प्रतिशत थी। यह विशाल युवा आबादी भारत के लिए अभूतपूर्व जनसांख्यिकीय लाभांश का अवसर है लेकिन तभी, जब युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, रोजगार, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हों। उसी नीति दस्तावेज में यह भी रेखांकित किया गया है कि बड़ी संख्या में युवा शिक्षा, रोजगार या प्रशिक्षण से बाहर हैं। भारत में विभिन्न कार्यक्रम युवाओं की क्षमता को अलग-अलग क्षेत्रों में विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन इन योजनाओं की सफलता का वास्तविक पैमाना यह है कि उनका लाभ अंतिम पंक्ति के युवा तक कितनी प्रभावी ढ़ंग से पहुंच रहा है। आज युवा केवल नौकरी नहीं चाहता बल्कि वह ऐसी व्यवस्था चाहता है, जिसमें उसकी मेहनत, योग्यता और समय का सम्मान हो। यही कारण है कि भर्ती परीक्षाओं में अनियमितता, पेपर लीक, परिणामों में देरी और नियुक्तियों की अनिश्चितता जैसे मुद्दे युवाओं के लिए उनके जीवन के वर्षों और सपनों से जुड़े प्रश्न बन जाते हैं। दिल्ली का जंतर-मंतर इस युवा बेचैनी और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बनकर उभरा। परीक्षा संबंधी अनियमितताओं के मुद्दे पर वहां हुए युवा विरोध प्रदर्शनों ने दिखाया कि अलग-अलग राज्यों और सामाजिक पृष्ठभूमियों से आए विद्यार्थी तथा अभ्यर्थी एक साझा मांग (परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही) के साथ खड़े हो सकते हैं। जून-जुलाई 2026 में परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर जंतर-मंतर पर चले प्रदर्शन में देश के विभिन्न हिस्सों से विद्यार्थी, अभिभावक और अभ्यर्थी पहुंचे। कुछ प्रदर्शनकारी लंबे समय तक वहां डटे रहे और परीक्षा व्यवस्था में जवाबदेही की मांग उठाते रहे। इसी पृष्ठभूमि में झारखंड में युवाओं का हालिया आक्रोश इस वर्ष की थीम को और अधिक जीवंत बना देता है। राज्य में जेपीएससी और जेएसएससी से जुड़ी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में जुलाई से अगस्त 2026 तक आंदोलन तेज हुआ। 22 जुलाई को जेपीएससी ने राज्य सिविल सेवा मुख्य परीक्षा स्थगित की और इसी दौरान सीआईडी ने परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े कुछ लोगों की गिरफ्तारी की, जिसके बाद अभ्यर्थियों के विरोध प्रदर्शनों ने व्यापक रूप लिया। 30 जुलाई को रांची में युवाओं और छात्र संगठनों ने जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में मार्च निकाला और 14वीं जेपीएससी परीक्षा की जांच तथा भर्ती व्यवस्था में सुधार की मांग की। अगस्त में आंदोलन और तीव्र हुआ तथा 10 अगस्त को हजारों युवा विधानसभा की ओर मार्च करते हुए पुलिस से भिड़ गए। पुलिस द्वारा आंसू गैस, पानी की बौछार और बल प्रयोग किए जाने की खबरें सामने आई। यह घटनाक्रम बताता है कि जब युवाओं के भीतर रोजगार, परीक्षा की निष्पक्षता और भविष्य की सुरक्षा को लेकर लंबे समय तक असुरक्षा जमा होती रहती है तो असंतोष व्यापक सामाजिक आंदोलन का रूप ले सकता है। इन आंदोलनों का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि युवा अब केवल नीति के लाभार्थी बने रहना नहीं चाहते; वे नीति और व्यवस्था की गुणवत्ता पर सवाल पूछने वाले सक्रिय नागरिक भी हैं। परीक्षा में वर्षों की मेहनत लगाने वाले विद्यार्थी के लिए एक कथित पेपर लीक या भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता केवल एक परीक्षा का संकट नहीं होती। उसके पीछे परिवार की आर्थिक उम्मीदें, कई वर्षों की तैयारी, मानसिक दबाव और जीवन की दिशा जुड़ी होती है। यही कारण है कि पारदर्शी और समयबद्ध भर्ती व्यवस्था आज युवा आकांक्षाओं की सबसे महत्वपूर्ण मांगों में शामिल है। दिल्ली का जंतर-मंतर हो या रांची की सड़कें, परिस्थितियां अलग हैं लेकिन आकांक्षा एक ही है; योग्यता का सम्मान, व्यवस्था में पारदर्शिता और भविष्य का भरोसा। इन आंदोलनों को केवल राजनीतिक विरोध या कानून-व्यवस्था की समस्या के रूप में देखना युवा मनोविज्ञान को समझने में चूक होगी। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध युवाओं के नागरिक अधिकारों और उनकी सक्रिय भागीदारी का महत्वपूर्ण माध्यम है। साथ ही आंदोलनों का शांतिपूर्ण रहना, संवाद के रास्ते खुले रखना और किसी भी प्रकार की हिंसा से बचना भी उतना ही आवश्यक है। आज आवश्यकता है कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए ऐसी विश्वसनीय व्यवस्था बनाई जाए, जिसमें प्रश्नपत्र की सुरक्षा से लेकर परिणाम और नियुक्ति तक हर चरण पारदर्शी हो। परीक्षा कैलेंडर का कठोर पालन, तकनीकी सुरक्षा, स्वतंत्र निगरानी, त्वरित शिकायत निवारण और दोषियों के विरुद्ध समयबद्ध कार्रवाई इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। रोजगार को केवल सरकारी नौकरियों तक सीमित रखने के बजाय निजी क्षेत्र, स्टार्टअप, ग्रामीण उद्यमिता, हरित अर्थव्यवस्था और डिजिटल कार्य के अवसरों का व्यापक विस्तार करना होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा, ग्रीन टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर, जैव-प्रौद्योगिकी और डिजिटल सेवाओं जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए युवाओं को भविष्य उन्मुख कौशल देना होगा। तकनीकी कौशल के साथ आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मकता, संवाद क्षमता और नैतिक विवेक भी विकसित करना होगा।

मानसिक स्वास्थ्य को भी युवा नीति का

तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई, 11 दुकानों से वसूला 2,200 रुपये जुर्माना

कोटपा एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई, स्कूलों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पाद बेचने पर सख्त चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में तंबाकू उत्पादों की अवैध बिक्री और सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू सेवन की रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। कलेक्टर के निर्देश पर मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन की संयुक्त टीम ने मनेन्द्रगढ़ शहर के विभिन्न इलाकों में दुकानों का निरीक्षण कर तंबाकू उत्पादों की बिक्री की जांच की नियमों का उल्लंघन करने वाले 11 दुकानदारों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए कुल 2,200 रुपये का जुर्माना वसूला गया मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई के दौरान संयुक्त टीम ने मनेन्द्रगढ़ कलेक्ट्रेट के सामने एनएच-43, नदी पार मनेन्द्रगढ़ और पीडब्ल्यूडी तिराहा क्षेत्र में संचालित पान दुकानों, गुमटियों,

किराना दुकानों, होटल, रेस्टोरेंट, चाय ठेलों सहित अन्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया।

कोटपा एक्ट की धारा 4 और 6 के तहत कार्रवाई: निरीक्षण के दौरान तंबाकू युक्त पदार्थों की बिक्री करते पाए गए दुकानदारों के विरुद्ध सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा) 2003 की धारा 4 एवं 6 के तहत चालानी कार्रवाई की गई कुल 11 दुकानदारों पर कार्रवाई कर 2,200 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। अधिकारियों ने दुकानदारों को तंबाकू नियंत्रण कानून के प्रावधानों की जानकारी देते हुए भविष्य में नियमों का उल्लंघन नहीं करने की सख्त हिदायत दी।

स्कूलों के आसपास बिक्री पर सख्त चेतावनी: संयुक्त टीम ने शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री को लेकर विशेष रूप से दुकानदारों को चेतावनी दी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि स्कूल एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में सिगरेट, तंबाकू एवं अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित है नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर आगामी दिनों में भी नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ युवाओं और विद्यार्थियों को तंबाकू की लत से बचाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है अधिकारियों ने नागरिकों से तंबाकू मुक्त वातावरण बनाने में सहयोग करने और प्रतिबंधित क्षेत्रों में तंबाकू उत्पादों की बिक्री की सूचना संबंधित विभाग को देने की अपील की कार्रवाई के दौरान कोटपा नोडल अधिकारी डॉ. कीर्ति चौहान, डॉ. विक्की टोप्पो, औषधि निरीक्षक विकास लकड़ा सहित स्वास्थ्य विभाग, खाद्य एवं औषधि प्रशासन एवं पुलिस दल के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

संकट की घड़ी में डायल-112 बनी जीवन की उमीद

खंडवा में युवक को आत्मघाती कदम से रोका, सतना में झाड़ियों में मिले नवजात को पहुंचाया अस्पताल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा आपात परिस्थितियों में त्वरित सहायता के साथ जरूरतमंदों के लिए जीवनरक्षक साबित हो रही है खंडवा और सतना जिलों में डायल-112 की टीमों ने तत्परता और संवेदनशीलता दिखाते हुए एक युवक को आत्मघाती कदम उठाने से बचाया, जबकि झाड़ियों में परित्यक्त मिले नवजात शिशु को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उपचार दिलाया खंडवा में युवक की बचाई जान हरसूद थाना क्षेत्र की चौकी आशापुर में डायल-112 टीम को सूचना मिली कि छनेरा रेलवे ब्रिज पर एक युवक रेलवे पटरी पर बैठा है और आत्महत्या की बात कर रहा है सूचना मिलते ही आरक्षक रघुवीर जाटव और पायलट फरीद मौके पर पहुंचे युवक वीडियो कॉल पर किसी से बात कर रहा था। आरक्षक रघुवीर ने धैर्यपूर्वक उससे संवाद करते हुए समझाइश दी। लगातार बातचीत के बाद युवक शांत हुआ और पुलिस की बात मान ली पूछताछ में उसने पारिवारिक विवाद के कारण मानसिक तनाव में होने की बात बताई सतना में नवजात को मिला तत्काल उपचार चित्रकूट थाना क्षेत्र में अक्षयबट तिराहे के पास झाड़ियों से नवजात के रोने की आवाज सुनाई देने की सूचना डायल-112 को मिली सहायक उपनिरीक्षक योगेन्द्र मिश्रा, आरक्षक अजय देवरे और पायलट बीरेन्द्र कुमार पाल तत्काल मौके पर पहुंचे टीम ने नवजात को सुरक्षित निकालकर शासकीय अस्पताल मझगवां पहुंचाया प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल सतना रेफर किया गया मध्यप्रदेश पुलिस के अनुसार डायल-112 का उद्देश्य आपात स्थिति में कम से कम समय में पहुंचकर नागरिकों की सुरक्षा और जीवन रक्षा सुनिश्चित करना है दोनों घटनाओं में टीमों की तत्परता और संवेदनशीलता ने पुलिस की मानवीय भूमिका को सामने रखा।

मादक पदार्थों के खिलाफ मध्यप्रदेश पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 83.97 लाख की संपत्ति जब्त

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस ने पिछले पांच दिनों में बड़ी कार्रवाई करते हुए 83 लाख 97 हजार रुपये से अधिक कीमत के मादक पदार्थ एवं तस्करी में प्रयुक्त वाहन जब्त किए हैं कार्रवाई प्रदेश के मंदसौर, नीमच, इंदौर, रीवा, उज्जैन और विदिशा जिलों में की गई मंदसौर में तीन कार्रवाईयों में 62 किलो 840 ग्राम डोडाचूरा, 3 किलो अफीम और 529 किलो 690 ग्राम डोडाचूरा बरामद किया गया। तस्करी में प्रयुक्त बोलेरो पिकअप, मोटरसाइकिल और मोबाइल सहित करीब 23.44 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई नीमच के रतनगढ़ में 4 किलो 100 ग्राम अफीम के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार कर करीब 20.50 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई इंदौर में क्राइम ब्रांच ने दो कार्रवाईयों में 158.25 ग्राम एमडी ड्रग्स मोटरसाइकिल सहित करीब 17.20 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया रीवा में ऑपरेशन प्रहार 2.0 के तहत लग्जरी कार से 1,410 शीशी नशीली कफ सिरप बरामद हुई वहीं उज्जैन में 33.55 किलो डोडाचूरा तथा विदिशा में 25 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद कर आरोपियों पर कार्रवाई की गई पुलिस ने कहा कि नशे के कारोबार की पूरी श्रृंखला को ध्वस्त करने के लिए अभियान जारी रहेगा। आमजन से भी अवैध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई है।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर के कड़े निर्देश, लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण करें

इस सप्ताह 500 से अधिक ई-फाइल पूर्ण करने का लक्ष्य, सीएम जनदर्शन व सुशासन तिहार के आवेदनों पर विशेष जोर

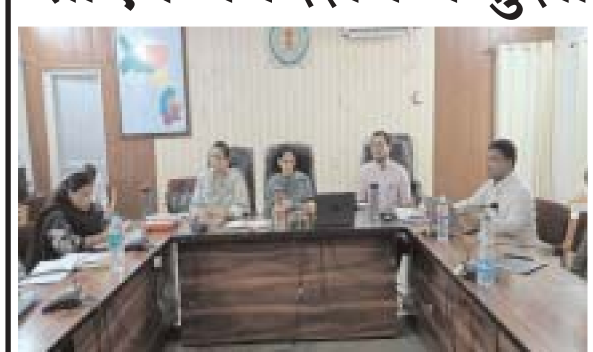

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुसंतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक आयोजित हुई बैठक में विभागीय कार्यों शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं लंबित प्रकरणों, शिकायतों, निर्माण कार्यों और आगामी स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों की समीक्षा की गई बैठक में जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार सहित एसडीएम जनपद सीईओ, तहसीलदार एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे बैठक में ई-ऑफिस की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को इस सप्ताह 500 से अधिक ई-फाइल पूर्ण*करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि जिन प्रकरणों में कार्यवाही पूरी हो चुकी है उन्हें अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए और तत्काल क्लोज किया जाए सीएम जनदर्शन एवं सुशासन तिहार के लंबित आवेदनों का भी समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए खाद्य, उच्च शिक्षा, आदिवासी विकास महिला एवं बाल विकास मत्स्य वन विभाग तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से संबंधित लंबित मामलों को प्राथमिकता से निपटाने कहा गया। पेंशन, समाज कल्याण, पंचायत एवं राजस्व विभाग के प्रकरणों में आवश्यक प्रतिवेदन प्राप्त कर उच्च स्तर पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग को सतर्क रहने, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता, मच्छरदानी के उपयोग और जनजागरूकता बढ़ाने कहा गया सर्पदंश की स्थिति में तत्काल उपचार के लिए एंटी-स्नेक दवा पर्याप्त मात्रा में रखने के निर्देश दिए गए कृषि विभाग की समीक्षा में आगामी धान खरीदी को देखते हुए खाद-बीज की पर्याप्त उपलब्धता और सुचारू वितरण सुनिश्चित करने कहा गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की प्रक्रियाएं समय पर पूरी करने के निर्देश भी दिए गए स्कूलों में महिला शौचालयों का सर्वे, साफ-सफाई, जर्जर भवनों का चिन्हांकन और विद्यार्थियों की अपार आईडी में सुधार के निर्देश दिए गए। वहीं सड़कों पर लावारिस मवेशियों की समस्या को देखते हुए मालिकों की पहचान और मवेशियों पर रेडियम बेल्ट लगाने की कार्रवाई की समीक्षा हुई बैठक में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रमों की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। 12 अगस्त को जिला स्तरीय तिरंगा दिवस, 13 अगस्त को पुलिस ग्राउंड में अंतिम सांस्कृतिक रिहर्सल और 14 अगस्त को स्वतंत्रता दौड़ आयोजित होगी अंत में कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनहित के मामलों में अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे और बैठक में दिए गए निर्देशों का असर मैदानी स्तर पर स्पष्ट दिखाई देना चाहिए।

अवैध शराब के खिलाफ MCB पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 340 पाव अंग्रेजी शराब जब्त

एक नाबालिग सहित चार आरोपी गिरफ्तार, शराब दुकान के मैनेजर समेत एक आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। (MCB) जिले में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है झगराखांड थाना क्षेत्र की खोंगापानी चौकी पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने घुटरीटोला बेरियर के पास घेराबंदी कर 340 पाव अंग्रेजी शराब बरामद की है जब्त शराब की कुल मात्रा 61 लीटर 200 एमएल बताई गई है। मामले में एक नाबालिग सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है जबकि एक आरोपी फरार है साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक विवेक पाटले ने बताया कि जिले में अवैध शराब और नशे के कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया

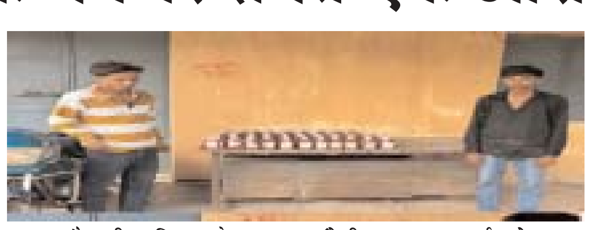

जा रहा है इसी अभियान के तहत साइबर सेल टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ लोग अवैध रूप से अंग्रेजी शराब का परिवहन कर उसे खपाने की तैयारी में हैं सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने घुटरीटोला बेरियर के पास घेराबंदी कर संदिग्धों की निगरानी शुरू की पुलिस टीम ने संदिग्धों को रोककर उनकी तलाशी ली। इस दौरान दो प्लास्टिक बोरियों से 340 पाव अंग्रेजी शराब बरामद हुई प्रत्येक पाव में 180 एमएल शराब थी इस तरह कुल 61 लीटर 200 एमएल शराब जब्त की गई पुलिस ने शराब और परिवहन में प्रयुक्त सामान को कब्जे में लेकर आरोपियों से पूछताछ शुरू की। पूछताछ में पुलिस के सामने आया कि शराब पौराधार स्थित अंग्रेजी शराब दुकान से लाकर अवैध रूप से बेचने की तैयारी की जा रही थी मामले में पुलिस ने शराब दुकान के मैनेजर विनोद सिंह (50), निवासी पौराधार, राघवेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रामबाबू (लगभग 20 वर्ष), निवासी वार्ड क्रमांक 14 मनेन्द्रगढ़ अरुण कुमार केवट (लगभग 34 वर्ष) निवासी वार्ड क्रमांक 14 मनेन्द्रगढ़ तथा एक विधि से संघर्षरत बालक को गिरफ्तार किया है पुलिस के अनुसार मामले में एक अन्य आरोपी अभी फरार है। उसकी तलाश के लिए टीम संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है पूरे मामले में साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक विवेक पाटले, झगराखांड थाना प्रभारी निरीक्षक वासुदेव परगनिहा खोंगापानी चौकी प्रभारी राकेश शर्मा सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जनदर्शन में उमड़ी फरियादियों की भीड़, कलेक्टर ने सुनी समस्याएं

भूमि विवाद, अवैध कब्जे, वन अधिकार, रोजगार और आर्थिक सहायता से जुड़े आवेदन; अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े ने आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण की जांच कर नियमानुसार समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए वन अधिकार पट्टा, रोजगार, आर्थिक सहायता, आधार कार्ड, कृषि एवं उद्यानिकी योजनाओं फसल नुकसान, पेंशन और सामाजिक सहायता से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए खैरबना निवासी कुलदीप कुमार ने भूमि पर जबरन जोताई, विवाद एवं धमकी की शिकायत की। वहीं मनेन्द्रगढ़ निवासी रामप्यारे ने भूमि पर कब्जे की शिकायत प्रस्तुत की। मेंड्राडोल निवासी भीम सिंह ने पैतृक कृषि भूमि पर अवैध कब्जे के

प्रयास और धमकी की शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की राजस्व संबंधी मामलों में ग्राम चनवारीडांड की शासकीय भूमि के कथित अवैध विक्रय एवं कब्जे की जांच, नामांतरण रकबा दुरुस्ती और राजस्व अभिलेखों की प्रतियां उपलब्ध कराने से जुड़े आवेदन भी सामने आए। पूटाडांड निवासी धन सिंह एवं मनि सिंह ने वन अधिकार पट्टा प्रदान करने की मांग की रोजगार और आर्थिक सहायता से जुड़े आवेदनों में सिलाई मशीन ऋण, रोजगार एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की गई। आधार कार्ड अपडेट के बाद निरस्त हुए कार्ड को पुनः चालू कराने का आवेदन भी प्रस्तुत हुआ। कृषि एवं उद्यानिकी से संबंधित आवेदकों ने पौधों, अनुदान और कृषि उपकरणों की जानकारी उपलब्ध कराने की मांग रखी वहीं ट्राई साइकिल और फसल नुकसान से जुड़े आवेदन भी मिले कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनदर्शन के आवेदनो को महज औपचारिकता न समझें। प्रत्येक शिकायत की गंभीरता से जांच कर पात्र लोगों को नियमानुसार राहत दिलाई जाए उन्होंने कहा कि जिन मामलों में तत्काल कार्रवाई संभव है उन्हें प्राथमिकता से निराकृत किया जाए और आवेदकों को कार्रवाई की जानकारी भी दी जाए कलेक्टर ने सभी प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विश्व स्तनपान सप्ताह के समापन पर कुपोषण मुक्ति और स्वच्छता का दिया संयुक्त संदेश

चैनपुर पंचायत में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन, छह बच्चों का हुआ अन्नप्राशन; उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का किया सम्मान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 1 से 7 अगस्त तक मनाए गए विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत चैनपुर पंचायत में समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में कुपोषण मुक्ति के साथ स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संयुक्त संदेश दिया गया इस अवसर पर स्वच्छता विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं हितग्राहियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष चैनपुर सरपंच मीना कुमारी रहीं कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया इसके पश्चात सेक्टर पर्यवेक्षक शिल्पा अग्रवाल ने अतिथियों एवं उपस्थित जनों का स्वागत करते हुए 1 से 7 अगस्त तक आयोजित विश्व स्तनपान सप्ताह के विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी शिल्पा अग्रवाल ने उपस्थित शिशुवती माताओं को स्तनपान के महत्व की जानकारी देते हुए बताया कि जन्म से छह माह तक शिशु को केवल मां का दूध पिलाना चाहिए छह माह की आयु तक बच्चे को पानी देने की भी आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि मां के दूध से ही शिशु की पानी सहित आवश्यक पोषण संबंधी जरूरतें पूरी होती हैं। उन्होंने बताया कि छह माह की आयु पूर्ण होने के बाद बच्चे को स्तनपान के साथ ऊपरी आहार देना शुरू करना चाहिए। बच्चे को गाढ़ा एवं पौष्टिक आहार जैसे गाढ़ी दाल आदि थोड़ी-थोड़ी मात्रा में देना चाहिए। परिवार में बनने वाले विभिन्न प्रकार के पौष्टिक भोजन में से उपयुक्त आहार बच्चे को भी खिलाना चाहिए जिससे उसमें अलग-अलग स्वाद और खाद्य पदार्थों को अपनाने की आदत विकसित हो बच्चों को एक साथ अधिक भोजन कराने के बजाय थोड़ी-थोड़ी मात्रा में दिन में 4 से 5 बार भोजन कराने की सलाह दी गई स्वच्छता प्रतियोगिताओं में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने लिया हिस्सा कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता संबंधी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। डस्टबिन बनाओ प्रतियोगिता में चैनपुर पंचायत की कार्यकर्ता बसंती बड़ा ने प्रथम तथा राधा दुबे ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। नारा लेखन प्रतियोगिता में साब्दी पंचायत की कार्यकर्ता फूलकुंवर एवं फुलवती ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि चैनपुर की कार्यकर्ता प्रीति जायसवाल एवं राधा दुबे ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया इसी प्रकार चित्रकला प्रतियोगिता में चौघड़ा की कार्यकर्ता माला मालती केंवर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि हितग्राही सुकवरिया ने द्वितीय स्थान हासिल किया कार्यक्रम में ब्लॉक स्वच्छता समन्वयक प्रभा पयासी ने बरसात के मौसम में बच्चों एवं परिवार के सदस्यों की व्यक्तिगत स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की अपील की उन्होंने घर एवं आसपास के परिसर को साफ-सुथरा रखने, गंदगी एवं जलभराव से बचने तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए उपस्थित जनों को प्रेरित किया।

14 अगस्त को जिले में होगी भव्य स्वतंत्रता दौड़, अधिकारी-कर्मचारी बढ़ाएंगे देशभक्ति का जोश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में जिले में देशभक्ति, एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 14 अगस्त 2026 को जिला स्तरीय स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन किया जाएगा स्वतंत्रता दौड़ का शुभारंभ प्रातः 7:00 बजे स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय मनेन्द्रगढ़ से होगा दौड़ निर्धारित मार्ग से होते हुए पीडब्ल्यूडी तिराहा पहुंचेगी और वहां से आगे बढ़ते हुए आमाखेरवा मैदान में इसका समापन होगा स्वतंत्रता दौड़ में जिले के अधिकारी-कर्मचारी सहित विभिन्न वर्गों के नागरिकों के उत्साहपूर्वक शामिल होने की उम्मीद है। आयोजन का उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नागरिकों में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन, एकता एवं सामाजिक सहभागिता की भावना को और मजबूत करना है। कलेक्टर महोदया के निर्देशानुसार जिले के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों से अपील की गई है कि वे स्वतंत्रता दौड़ में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता सुनिश्चित करें और स्वतंत्रता पर्व के उत्साह एवं गरिमा को बढ़ाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। साथ ही आम नागरिकों, युवाओं एवं विद्यार्थियों से भी इस आयोजन में शामिल होकर राष्ट्रीय भावना के इस उत्सव का हिस्सा बनने का आह्वान किया गया है प्रतिभागियों से आग्रह किया गया है कि वे निर्धारित समय से कम से कम 30 मिनट पूर्व आयोजन स्थल पर पहुंचकर अपना पंजीयन सुनिश्चित करें, ताकि कार्यक्रम का संचालन निर्धारित समय पर सुचारू रूप से किया जा सके जिला प्रशासन ने स्वतंत्रता दौड़ को सफल एवं यादगार बनाने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आयोजन के माध्यम से जिले में स्वतंत्रता दिवस के पूर्व देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का उत्साहपूर्ण वातावरण निर्मित किया जाएगा।

छतरपुर पुलिस ने 4 चोरी की वारदातों का खुलासा किया, लाखों का माल, बाइक बरामद की, दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर पुलिस ने सिविल लाइन थाना क्षेत्र में हुई चोरी की तीन और कोतवाली थाना क्षेत्र की एक वारदात का खुलासा किया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से करीब 300 ग्राम चांदी के आभूषण, सोने के जेवर, तीन घरेलू गैस सिलेंडर, दो स्मार्ट टीवी और मोटरसाइकिल बरामद की गई है। बरामद सामान की अनुमानित कीमत 3 से 4 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शेख आजाद और राका के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने सिविल लाइन थाना क्षेत्र में तीन चोरी और कोतवाली थाना क्षेत्र से एक मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार किया है।

एक बाइक के पुर्जे बेच दिए थे: पुलिस के मुताबिक, सिविल लाइन थाना क्षेत्र से चोरी हुई एक अन्य मोटरसाइकिल के कुछ पुर्जे आरोपियों ने बेच दिए थे। पुलिस इन पुर्जों और उनसे जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि चोरी की वारदातों का खुलासा करने के लिए पुलिस ने साइबर वालों की मदद ली। अभी दोनों को हिरासत में लिया गया है।

मंदसौर में फिर सक्रिय हुआ मानसून:24 घंटे में 1.56 इंच बारिश, गांधी सागर का जलस्तर 1298.5 फीट पहुंचा, कई इलाकों में बूंदाबांदी जारी

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। सोमवार को सुबह से देर रात तक मंदसौर शहर समेत जिले के कई हिस्सों में हल्की से तेज बारिश होती रही। बारिश के चलते तापमान में गिरावट आई और लोगों को उमस व गर्मी से राहत मिली। मंगलवार को भी आसमान में बादल छाए रहे और कई इलाकों में रुक-रुककर बूंदाबांदी का दौर जारी रहा। पिछले 24 घंटे में जिले में 1.56 इंच बारिश दर्ज की गई। मंदसौर के अलावा दलौदा, अफजलपुर, सीतामऊ, नाहरगढ़, भानपुरा, गरोठ, सुवासरा, शामगढ़, मल्हारगढ़, पिपलियामंडी, नारायणगढ़, डिगांव और बरखेड़ा सहित अधिकांश क्षेत्रों में बारिश हुई। लंबे समय बाद बारिश की गतिविधियां बढ़ने से किसानों को भी राहत मिली है।

इस सीजन अब तक 17.36 इंच बारिश: मौसम के आंकड़ों के मुताबिक इस मानसून सीजन में जिले में अब तक 17.36 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है। हालांकि, पिछले साल इसी अवधि में 19.76 इंच बारिश हुई थी। इस लिहाज से इस बार अब तक करीब 2.40 इंच कम बारिश दर्ज हुई है। जिले में बारिश का वितरण समान नहीं रहा है। कुछ क्षेत्रों में अच्छी बारिश हुई है, जबकि कई इलाकों में अब भी अपेक्षाकृत कम वर्षा दर्ज की गई है। आने वाले दिनों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने पर इस अंतर में कमी आने की उम्मीद है।

आज भी गरज-चमक के साथ बारिश के आसार: मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार मंगलवार को जिले के कुछ हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं। मंदसौर और नीमच समेत पश्चिमी मध्यप्रदेश के कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना भी जताई गई है।

बुरहानपुर में बड़वानी का हथियार तस्कर गिरफ्तार

13 पिस्टल, 45 कारतूस और बाइक जब्त, दो दिन की पुलिस रिमांड पर गया आरोपी

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले की खकनार पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी बड़वानी जिले के ओझर नागलवाड़ी से अवैध हथियार खरीदने आया था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने साईबाबा स्कूल के पीछे दबिश देकर आरोपी को पकड़ा। उसके पास से हाथ से बनी 13 देसी पिस्टल, एक खाली मैगजीन, 45 जिंदा कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। जब्त किए गए सामान की कुल कीमत करीब 4.72 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे दो दिन की रिमांड पर लिया है।

पेड़ के नीचे हथियार लेकर बैठा था आरोपी: मंगलवार दोपहर 3 बजे आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एएसपी प्रदीप शेंडे ने कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खकनार थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि साईबाबा स्कूल के पीछे एक पेड़ के नीचे एक व्यक्ति अवैध हथियारों के साथ बैठा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की पहचान शक्ति सिंह पिता बादल सिंह पटवा के रूप में की है। तलाशी के दौरान उसके पास से 13 हाथ से बनी देसी पिस्टल, एक खाली मैगजीन, 45 जिंदा कारतूस और एक मोटरसाइकिल मिली।

4.72 लाख रुपए का सामान जब्त: पुलिस के मुताबिक, आरोपी के कब्जे से बरामद हथियार, कारतूस और अन्य सामान की कुल कीमत करीब 4.72 लाख रुपए है। इतनी संख्या में हथियार और खासतौर पर 45 जिंदा कारतूस मिलने के बाद पुलिस मामले को गंभीरता से ले रही है।

● हथियार कहां से खरीदे, इसकी जांच

एएसपी प्रदीप शेंडे ने बताया कि पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि आरोपी ने ये हथियार कहां से खरीदे थे और इन्हें आगे कहां पहुंचाना था। पूछताछ के जरिए अवैध हथियारों की सप्लाई से जुड़े दूसरे लोगों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी अकेले हथियारों की तस्करी कर रहा था या उसके साथ कोई और लोग भी जुड़े हुए हैं।

● एक आरोपी से 45 कारतूस मिलने से बढ़ी चुनौती

पुलिस के लिए इस कार्रवाई में एक आरोपी के पास से 45 जिंदा कारतूस मिलना खास बात है। पुलिस के अनुसार, आमतौर पर कार्रवाई के दौरान इतनी बड़ी संख्या में कारतूस बरामद नहीं होते हैं। ऐसे में बड़ी संख्या में कारतूस मिलने के बाद हथियारों की सप्लाई और उनके संभावित इस्तेमाल को लेकर भी जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार आरोपी के कुछ रिश्तेदार खकनार क्षेत्र के पाचौरी और आसपास के इलाकों में रहते हैं। पुलिस को आशंका है कि आरोपी इन्हीं रिश्तेदारों के माध्यम से क्षेत्र में संपर्क बनाकर अवैध हथियार खरीदने या उनकी सप्लाई करने की कोशिश कर रहा था।

● एक साल में 12 मामले दर्ज

टीआई अभिषेक जाधव ने बताया कि खकनार थाना पुलिस ने पिछले एक साल में अवैध हथियारों की तस्करी और निर्माण के खिलाफ 12 मामले दर्ज किए हैं। इन मामलों में पुलिस ने कुल 47 हाथ से बनी देसी पिस्टल, 6 मैगजीन और 45 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध हथियारों की तस्करी और निर्माण पर रोक लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इंदौर रोड से चोरी हुई बजाज पल्सर बरामद

पुलिस ने आरोपी को पकड़ा, रेस्टोरेंट के सामने से हुई थी चोरी

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। भैरूंदा पुलिस ने वाहन चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई बजाज पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की है, जिसकी कीमत करीब 80 हजार रुपए बताई गई है। चोरी की घटना 6 अगस्त को इंदौर रोड स्थित अनन्या रेस्टोरेंट के सामने हुई थी। अगले दिन फरियादी ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और चोरी के मामले में प्रकाश बारेला पर संदेह जताया था।

अनन्या रेस्टोरेंट के सामने से चोरी हुई बाइक: पुलिस के अनुसार, 6 अगस्त को फरियादी की बजाज पल्सर मोटरसाइकिल इंदौर रोड स्थित अनन्या रेस्टोरेंट के सामने खड़ी थी। कुछ समय बाद जब फरियादी वापस लौटा तो उसकी बाइक वहां नहीं मिली। आसपास तलाश करने के बाद भी बाइक का पता नहीं चला। इसके बाद उसने 7 अगस्त को भैरूंदा थाने पहुंचकर बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

फरियादी ने प्रकाश पर जताया था संदेह

फरियादी ने पुलिस को बताया कि उसकी बजाज पल्सर मोटरसाइकिल का नंबर MP 37 MW 9386 है। रिपोर्ट दर्ज कराते समय उसने प्रकाश बारेला पिता सुवालाल बारेला, निवासी हबीब नगर लोधाबढ़, भैरूंदा पर संदेह जताया था। पुलिस ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की तलाश शुरू की।

तकनीकी साक्ष्यों से पुलिस को मिला सुराग

वाहन चोरी की घटना को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सक्सेना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे और एसडीओपी भैरूंदा रोशन जैन के मार्गदर्शन में विशेष टीम बनाई गई।

● आरोपी की निशानदेही पर पल्सर बरामद...

पुलिस के अनुसार, आरोपी की निशानदेही पर चोरी की गई बजाज पल्सर मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई। आरोपी ने बाइक को छिपाकर रखा था। बरामद मोटरसाइकिल का नंबर MP 37 MW 9386 है और इसकी अनुमानित कीमत करीब 80 हजार रुपए बताई गई है।

● थाना प्रभारी के नेतृत्व में हुई कार्रवाई...

इस कार्रवाई को थाना प्रभारी निरीक्षक घनश्याम दांगी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने अंजाम दिया। टीम ने शिकायत मिलने के बाद तकनीकी जांच और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी तक पहुंच बनाई। पुलिस ने चोरी की बाइक बरामद करने के साथ आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

रतलाम में मार्ट की तिजोरी से 5.35 लाख रुपए गायब, सीसीटीवी की रिकॉर्डिंग की डिलीट, असिस्टेंट मैनेजर पर केस

रतलाममीडिया ऑडीटर, (निप्र)। स्थित एक बड़े शॉपिंग मार्ट की तिजोरी से 5 लाख 35 हजार रुपए गायब हो गए। मार्ट के असिस्टेंट मैनेजर संतोष कुमार पाठक पर रुपए लेकर भागने का आरोप है। पुलिस ने उसके खिलाफ अमानत में खयानत का केस दर्ज किया है। स्टोर मैनेजर कमलेश पखाले ने स्टेशन रोड थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस को बताया कि 9 अगस्त की रात उनकी और असिस्टेंट मैनेजर संतोष कुमार पाठक की रात 2 बजे तक ड्यूटी थी। रात में मार्ट में एक ट्रक से सामान आया था। संतोष कुमार पाठक और बीओएच इंचार्ज करण सिसोदिया सामान उतरवा रहे थे। इसी दौरान स्टोर मैनेजर ने कैश रूम की चाबी संतोष को दी और रात करीब 1.30 बजे घर चले गए।

सुबह तिजोरी में नहीं मिले रुपए: 10 अगस्त की सुबह डिपार्टमेंटल मैनेजर पंकज शेर कैश काउंटर पर पहुंचे। उन्होंने तिजोरी खोली तो उसमें रखे 5 लाख 35 हजार रुपए नहीं मिले। उन्होंने इसकी जानकारी स्टोर मैनेजर को दी। इसके बाद स्टोर मैनेजर अन्य कर्मचारियों के साथ मार्ट पहुंचे। उन्होंने CCTV रिकॉर्डिंग देखी तो रात 2.30 बजे से 3 बजे तक की रिकॉर्डिंग डिलीट मिली।

दोनों मोबाइल बंद मिले: पुलिस के अनुसार, असिस्टेंट मैनेजर संतोष कुमार पाठक करीब 4 से 5 महीने पहले ही रतलाम आया था। इससे पहले वह कोलकाता और दिल्ली में भी इसी शॉपिंग मॉल में काम कर चुका है। स्टोर मैनेजर ने संतोष के दोनों मोबाइल नंबरों पर कॉल किया। दोनों नंबर बंद मिले।

खंडवा में 11वीं फेल स्टूडेंट ने हॉस्टल में फांसी लगाई

बेडशीट से खिड़की पर फंदा बनाया, रूममेट बोला- मैं तो सोया था, सुबह देखा

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले के छैगांवमाखन थाना क्षेत्र के आदिवासी हॉस्टल में 11वीं कक्षा के 18 वर्षीय छात्र ने फांसी लगाकर जान दे दी। छात्र ने अपने कमरे की खिड़की में बेडशीट से फंदा बनाया और उस पर लटक गया। सुबह करीब 6 बजे रूममेट की नींद खुली तो उसने छात्र को खिड़की पर फंदे से लटका देखा, जिसके बाद घटना की जानकारी सामने आई।

मृतक की पहचान ग्राम काकोड़ा, पंधाना निवासी 18 वर्षीय पूनमचंद पिता तुलसीराम के रूप में हुई है। फिलहाल छात्र के इस कदम के पीछे कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर

पहुंचकर जांच कर रही है। मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला हैं। वहीं छात्र के परिजन भी हॉस्टल पहुंच गए हैं और रूममेट समेत अन्य छात्रों से जानकारी जुटा रहे हैं।

रूममेट ने कहा- रात में कुछ पता नहीं चला: टीआई एसएन पांडेय ने बताया कि घटना के बाद मृतक के परिजन और ग्रामीणों ने उसके रूममेट से भी पूछताछ की। रूममेट ने बताया कि कमरे में दो अलग-अलग पलंग हैं और दोनों रात में सो गए थे। उसके अनुसार पूनमचंद रात में कब उठा और उसने फांसी लगाई, इसकी उसे कोई जानकारी नहीं है। उसने यह भी बताया कि रात में उसे किसी तरह की आवाज सुनाई नहीं दी। सुबह उठने पर उसने पूनमचंद को फंदे पर लटका देखा।

पढ़ाई को लेकर परेशान होने की बात सामने आई: टीआई ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी में यह बात सामने आई है कि पूनमचंद 11वीं कक्षा में दोबारा पढ़ रहा था। पिछले साल वह 11वीं की परीक्षा में फेल हो गया था। बताया जा रहा है कि उसका पढ़ाई में मन नहीं लगता था और इसी वजह से वह परेशान रहता था। हालांकि, पुलिस ने अभी इस बात को छात्र की मौत का कारण नहीं माना है। मौत की वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

नर्मदापुरम में तीसरे दिन भी रिमझिम बारिश जारी

नर्मदा नदी में 9.6 फीट और तवाडैम में 8.5 फीट बढ़ा वॉटर लेवल

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में पिछले तीन दिनों से बारिश का दौर जारी है। कभी रिमझिम तो कभी तेज बारिश हो रही है और मंगलवार सुबह से भी रुक-रुककर बौछारें पड़ रही हैं। तीन दिनों में जिले में औसतन करीब 4 इंच बारिश दर्ज की गई है। लगातार बारिश के कारण जिले की नदियों, तालाबों और डैमों का जलस्तर भी बढ़ गया है। नर्मदा नदी में सेठानी घाट पर 48 घंटे में 9.6 फीट पानी बढ़ा है, जबकि तवा डैम का जलस्तर 8.5 फीट बढ़ा है।

तीन दिन से लगातार हो रही बारिश: जिले में रविवार तड़के से बारिश का दौर शुरू हुआ था, जो मंगलवार को भी जारी है। इस दौरान कभी तेज बारिश हुई तो कभी रिमझिम फुहारें पड़ती रहीं।

मंगलवार सुबह भी कई क्षेत्रों में बौछारें पड़ती रहीं।

तीन दिनों की बारिश में जिले में औसतन करीब 4 इंच पानी गिर चुका है। लगातार बारिश से नदी, तालाब और डैमों में पानी की आवक बढ़ी है।

नर्मदा नदी का जलस्तर 9.6 फीट बढ़ा: लगातार बारिश का असर नर्मदा नदी के जलस्तर पर भी दिखाई दे रहा है। सेठानी घाट पर 48 घंटे के दौरान नर्मदा का जलस्तर 936.80 से बढ़कर 946.40 फीट पहुंच गया। इस तरह नदी के जलस्तर में 9.6 फीट की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

तवा डैम में 8.5 फीट पानी बढ़ा: तवा डैम में भी लगातार पानी की आवक हो रही है। दिए गए आंकड़ों के अनुसार, तवा बांध का जलस्तर 1129.20 फीट से बढ़कर 1137.70 फीट पहुंच गया है। यानी जलस्तर में 8.5 फीट की बढ़ोतरी हुई है। बारिश के कारण जिले के दूसरे जलाशयों में भी पानी बढ़ रहा है।

बरगी और बारना बांध का जलस्तर भी बढ़ा: बारिश का असर जिले के आसपास के बड़े बांधों के जलस्तर पर भी पड़ा है। आंकड़ों के अनुसार, बरगी बांध का जलस्तर 1366.10 फीट से बढ़कर 1376 फीट हो गया, यानी इसमें 10 फीट की बढ़ोतरी हुई। वहीं बारना बांध का जलस्तर 1128 फीट से बढ़कर 1136.41 फीट पहुंच गया, जिसमें 8.41 फीट की वृद्धि दर्ज की गई।

खरगोन में तेज बारिश से नदी-नालों का जलस्तर बढ़ा

अपरवेदा डैम का गेट आधा मीटर खोला, निचले इलाकों में अलर्ट, अब तक 19 इंच बारिश दर्ज

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में मंगलवार सुबह से रुक-रुककर तेज बारिश का दौर जारी है। शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी जोरदार बारिश हुई, जिससे कई सड़कों पर आधा से एक फीट तक पानी भर गया। जलभराव के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश होने से वेदा, कुंदा समेत जिले की अन्य नदियों का जलस्तर भी तेजी से बढ़ा है।

अपरवेदा जलाशय का गेट आधा मीटर खोला: नदियों और जलाशयों में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन और जल संसाधन विभाग ने निगरानी बढ़ा दी है। मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे अपरवेदा जलाशय का एक गेट आधा मीटर खोल दिया गया। जलाशय का जलस्तर फिलहाल 316 मीटर तक पहुंच चुका है। हालांकि, जलाशय में अभी करीब एक मीटर की जलभराव क्षमता शेष

बताई गई है।

एनवीडीए के सहायक यंत्री शुभम दुबे ने बताया कि जलस्तर बढ़ने के बाद निचले इलाकों में सतर्कता बरती जा रही है। ग्राम पंचायत और जनपद पंचायतों के माध्यम से लोगों को पुल, पुलिया और रपटों से दूर रहने की सूचना देकर अलर्ट किया गया है।

● सड़कों पर जलभराव, आवाजाही प्रभावित

लगातार बारिश के कारण खरगोन शहर के कई हिस्सों में सड़कों पर पानी जमा हो गया। कुछ स्थानों पर पानी की गहराई आधा फीट से लेकर करीब एक फीट तक पहुंच गई। इससे दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को सबसे ज्यादा परेशानी हुई। ग्रामीण क्षेत्रों में भी बारिश का असर दिखाई दिया। पहाड़ी इलाकों में लगातार पानी गिरने से नदी-नालों में पानी की आवक बढ़ी है। ऐसे में निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

● किसानों के लिए बारिश बनी राहत

लगातार हो रही बारिश को किसान फसलों के लिए फायदेमंद बता रहे हैं। किसानों के मुताबिक इस समय खेतों में कपास, मिर्च और सोयाबीन की फसलें खड़ी हैं और इन फसलों के लिए बारिश बेहद उपयोगी साबित हो रही है। पर्याप्त बारिश से इस बार उत्पादन अच्छा रहने की उम्मीद किसानों ने जताई है।

● पिछले साल से डेढ़ गुना ज्यादा बारिश

जिले में इस मानसून सीजन में अब तक 19 इंच से अधिक बारिश दर्ज की जा चुकी है। पिछले साल इसी अवधि में जिले में करीब 12 इंच बारिश हुई थी। यानी इस बार अब तक पिछले साल के मुकाबले लगभग डेढ़ गुना अधिक बारिश हो चुकी है। खरगोन जिले की औसत वार्षिक बारिश करीब 32.6 इंच है। वर्तमान बारिश के आंकड़ों को देखते हुए जिले में मानसून की स्थिति पिछले साल की तुलना में बेहतर बनी हुई है।

छतरपुर में सांप के डसने से भाई-बहन की मौत, भाई गहरी नींद में सोते रहा, बहन के जागने पर परिजन अस्पताल लेकर गए

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के बमीठा थाना क्षेत्र में सांप के डसने से भाई-बहन की मौत हो गई। दोनों घर के अंदर एक साथ सो रहे थे। मृतकों की पहचान 12 वर्षीय नेहा कुशवाहा और उसके 18 वर्षीय भाई जितेंद्र कुशवाहा के रूप में हुई है। नेहा कक्षा 6वीं की छात्रा थी। जानकारी के अनुसार अवधपुरा गांव सोमवार रात दोनों भाई-बहन सो रहे थे। इसी दौरान जहरीले सांप ने दोनों के पैर में डस लिया। सांप के डसने के बाद नेहा की नींद खुल गई। उसने परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिजन नेहा को तुरंत स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल छतरपुर रेफर किया गया। इलाज के दौरान नेहा की मौत हो गई।

भाई गहरी नींद में सोता रहा: नेहा के जागने से परिजनों को उसके साथ हुई घटना की जानकारी मिल गई थी। वहीं, जितेंद्र गहरी नींद में सो रहा था। परिजनों को शुरू में पता नहीं चला कि सांप ने उसे भी डसा है। कुछ समय बाद जितेंद्र की हालत बिगड़ी। तब परिजनों को उसके साथ हुई घटना का पता चला। हालांकि, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। परिजन उसे भी अस्पताल लेकर पहुंचे जहां दोनों का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। चंद्रनगर निवासी नीलेश कुशवाहा ने बताया कि जितेंद्र और नेहा एक साथ सो रहे थे।

यशपाल शर्माः वर्ल्ड कप 1983 के नायक

जिन्होंने मुश्किल हालात में टीम इंडिया को संभाला

नई दिल्ली ,एजेसीं। वनडे वर्ल्ड कप 1983 की विजेता टीम के अहम सदस्य रहे यशपाल शर्मा ने कठिन परिस्थितियों में देश के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। वह क्रिकेट प्रेमियों के लिए प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं। 11 अगस्त 1954 को लुधियाना में जन्मे दाएं हाथ के बल्लेबाज यशपाल शर्मा अपने मजबूत डिफेंस से किसी भी अटैक को बेअसर करने में माहिर थे। 1977-78 में दिलीप ट्रॉफी में नॉर्थ जोन की तरफ से खेलते हुए उन्होंने साउथ जोन के खिलाफ 173 रन की पारी खेलकर अपनी पहचान बनाई।

अगले सीजन में यशपाल ने पाकिस्तान का दौरा किया, लेकिन टेस्ट टीम में जगह नहीं बना सके। हालांकि, कुछ वक्त बाद टीम में आखिरकार मौका मिल ही गया। करीब दो दशक लंबे प्रथम श्रेणी करियर में यशपाल ने 160 मैच खेले, जिसमें 44.88 की औसत के साथ 8,933 रन बनाए। इस दौरान 21 शतक और 46 अर्धशतक शामिल रहे।

यशपाल ने फर्स्ट क्लास करियर में 201 रन की नाबाद पारी भी खेली है। साल 1978 से 1985 के बीच यशपाल ने भारत के लिए 37 टेस्ट और 42 वनडे मैच खेलते हुए मिडिल ऑर्डर को मजबूती दी। इस दौरान उनके बल्ले से टेस्ट फॉर्मेट में 33.45 की औसत के साथ 1,606 रन निकले, जिसमें 2 शतक और 9 अर्धशतक शामिल रहे। वहीं, वनडे फॉर्मेट में इस बल्लेबाज ने 28.48 की औसत के साथ 883 रन बनाए। 1981-82 में यशपाल शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ 140 रन बनाते हुए जीआर विश्वनाथ के साथ 316 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की।

यशपाल वनडे वर्ल्ड कप 1983 की विजेता टीम का अहम हिस्सा रहे हैं, जो उस टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों के मामले में दूसरे पायदान पर रहे, उन्होंने 8 मुकाबलों में 34.29 की औसत के साथ 240 रन बनाए। यशपाल ने ग्रुप स्टेज में वेस्टइंडीज के खिलाफ 89 रन, जबकि सेमीफाइनल में इंग्लैंड के विरुद्ध 61 रन की पारी खेली थी। रिटायरमेंट के बाद यशपाल कोचिंग, कमेंट्री और क्रिकेट प्रशासन में सक्रिय रहे। उन्होंने दो चरणों (साल 2004-05 और 2008-11) में नेशनल सिलेक्टर के तौर पर काम किया। कई घरेलू मुकाबलों में मैच रेफरी की भूमिका निभा चुके यशपाल शर्मा दिल्ली की क्रिकेट सलाहकार समिति का भी हिस्सा रहे। 13 जुलाई 2021 को दिल का दौरा पड़ने से यशपाल शर्मा का निधन हो गया। इस दिग्गज क्रिकेटर ने अपने करियर में साबित किया है कि बड़े मंच पर दबाव के बावजूद आत्मविश्वास और मेहनत से सफलता हासिल की जा सकती है। वर्ल्ड कप 1983 में उनका जुझारू प्रदर्शन टीम के लिए समर्पण और मुश्किल परिस्थितियों में बेहतर करने का जज्बा किसी भी खिलाड़ी को खास बनाता है।

KBC में अमिताभ बच्चन ने पूछा वैभव से जुड़ा सवाल

आमिर खान-सनी देयोल को नहीं पता था जवाब

नई दिल्ली,एजेसीं। कौन बनेगा करोड़पति के 18वें सत्र के पहले एपिसोड में दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन ने आमिर खान, प्रीति जिंटा और सनी देओल ने भारतीय के उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी से जुड़ा सवाल पूछा। आमिर खान और सनी देओल को इसकी इसकी जानकारी नहीं थी। पंजाब किंग्स की सह-मालकिन प्रीति जिंटा ने इसका जवाब दिया, लेकिन वह पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थीं।

मुझे लगता है वैभव सूर्यवंशी

आमिर खान ने स्क्रीन की ओर देखते हुए प्रीति जिंटा से कहा, 'यार क्रिकेट का आपको पता होना चाहिए।' इसके बाद सनी देओल ने कहा, 'मुझे कुछ नहीं पता क्रिकेट के बारे में।' इसके बाद अमिताभ बच्चन ने सवाल पढ़ा और ऑप्शन दिया। फिर प्रीति जिंटा से कहा, 'प्रीति जी आपतो मालकिन हैं।' इस पर पंजाब किंग्स की सह-मालकिन ने कहा, 'सर पर हम जीते नहीं तो।' उन्होंने आगे कहा, 'यशस्वी जायसवाल तो नहीं है।' आमिर खान ने कहा, 'केएल राहुल?' फिर प्रीति जिंटा ने कहा, 'नहीं, मुझे लगता है वैभव सूर्यवंशी।'

अमिताभ बच्चन ने 1 लाख रुपये के सवाल में पूछा कि इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में ऑरेंज कैप कौन जीता? इसके लिए स्क्रीन पर पर्पल कैप के सामने गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा की फोटो दिखाई गई और पूछा गया कि ऑरेंज कैप के सामने किस खिलाड़ी को फोटो आएगी। इनमें 4 ऑप्शन केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली और वैभव सूर्यवंशी थे।

आईपीएल में वैभव सूर्यवंशी ने मचाई थी धूम

प्रीति जिंटा के इस जवाब के बाद वैभव सूर्यवंशी लॉक किया गया और यह सही उत्तर था। आईपीएल 2026 में 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने धूम मचा दी थी। उन्होंने उन्होंने 16 पारियों में 48.50 के औसत और 237.30 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए। उन्होंने 1 शतक और 5 अर्धशतक लगाए। इस प्रदर्शन के बदौलत वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टीम में मौका मिला। वह भारत के लिए खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए।

अफगानिस्तान वनडे वर्ल्डकप 2027 के लिए क्वालिफाई

आयरलैंड को तीसरे वनडे में 3 विकेट से हराया, राशिद खान प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली,एजेसीं। अफगानिस्तान ने तीसरे वनडे में आयरलैंड को 3 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम ने अफगानिस्तान ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालिफाई कर लिया। बेलफास्ट में सोमवार को अफगानिस्तान ने गेंदबाजी चुनी। उसने आयरलैंड को 46.3 ओवर में 206 रन पर ऑलआउट कर दिया। फिर 44.5 ओवर में 7 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। राशिद खान ने नाबाद 37 रन की पारी खेली। उन्होंने 3 विकेट भी झटके।

राशिद और यामिन ने जीत दिलाई- अफगानिस्तान ने एक समय 176 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद राशिद खान ने नाबाद 37 रन बनाए। उन्होंने 43 गेंदों की पारी में 4 चौके लगाए। राशिद ने यामिन अहमदजई के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई।

यामिन अहमदजई 26 गेंदों पर 4 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने अफगानिस्तान को 44.5 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

अफगानिस्तान कैसे क्वालिफाई हुआ- अफगानिस्तान इस समय वनडे रैंकिंग में 8वें नंबर पर है। उसने आयरलैंड पर लगातार दूसरी जीत हासिल की है। इसके सहारे टीम 30 सितंबर 2026 तक वनडे रैंकिंग में खुद को टॉप-8 में कायम रख सकेगी। जोकि वनडे वर्ल्डकप क्वालिफिकेशन की कटऑफ डेट है।

वेस्टइंडीज का वर्ल्ड कप क्वालिफायर खेलना तय- अफगानिस्तान के क्वालिफिकेशन से वेस्टइंडीज का क्वालिफायर खेलना तय हो गया है। उसे भारत के खिलाफ 2 वनडे खेलने है, लेकिन ये मैच जीतकर भी विंडीज वनडे रैंकिंग के टॉप-8 में नहीं पहुंच सकेगी। टीम वर्तमान में नंबर-10 पर है।

2027 का वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। यह अफगानिस्तान का वनडे वर्ल्ड कप में चौथा प्रदर्शन होगा।

गॉल में भारत का रिकॉर्डः श्रीलंका से आखिरी बार यहीं टेस्ट गंवाया, केएल राहुल थे हिस्सा

नई दिल्ली,एजेसीं। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में भारत का रिकॉर्ड शानदार है। दोनों देशों के बीच 1982 से 2022 के बीच 46 मैच खेले गए। भारत को 22 में जीत मिली है और 7 में हार का सामना करना पड़ा। 17 मैच ड्रॉ रहे हैं। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में भारतीय टीम 11 साल से अजेय है। 2015 में उसे 63 रन से हार मिली थी। यह मैच गॉल में ही खेला गया था, जहां भारत-श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से पहला मैच खेला जाएगा। केएल राहुल उस मैच का हिस्सा थे और उनका बल्ला नहीं चला था। पहली पारी में 7 और दूसरी पारी में 4 रन बनाकर आउट हो गए। शिखर धवन और विराट कोहली ने पहली पारी में शतक जड़े थे।

2015 गॉल टेस्ट के बाद भारत का दबदबा- इस मैच के बाद से भारत और श्रीलंका के बीच 10 मैच हुए हैं। भारतीय टीम 8 मैच जीती है और 2 मैच ड्रॉ रहे हैं। एक मैच गॉल में भी हुआ है, जिसमें भारत ने 2017 में 304 रनों से जीत दर्ज की थी। भारत ने गॉल में 5 मैच खेले हैं। 2 में जीत मिली है और 3 में हार का सामना करना पड़ा है। गॉल में भारत को 2001,2010 और 2015 में हार मिली।

25 हजार+ रन और 577 विकेट, ब्रेट ली ने तेंदुलकर नहीं इस दिग्गज को बताया सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

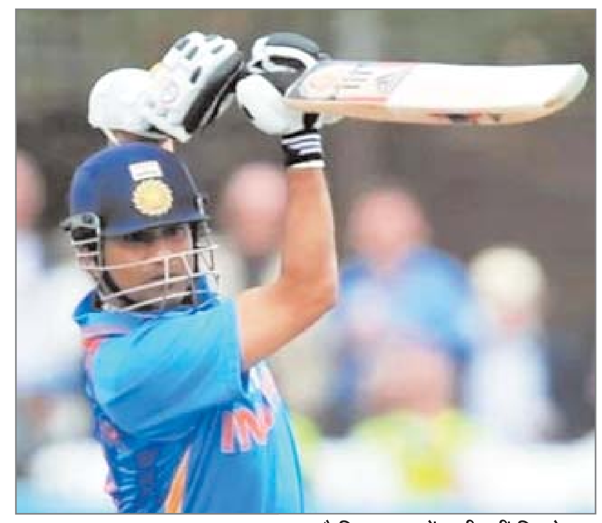

नई दिल्ली,एजेसीं। मास्टर ब्लास्ट सचिन तेंदुलकर दुनिया के उन चुनिंदा क्रिकेटरों में से एक हैं, जिन्होंने टेस्ट और वनडे दोनों में 10,000 से ज्यादा रन बनाए हैं। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के महान खिलाड़ी जैक्स कैलिस दुनिया के इकलौते ऐसे क्रिकेटर हैं, जिन्होंने टेस्ट और वनडे में 10,000 से ज्यादा रन बनाने के साथ-साथ दोनों फॉर्मेट में 250 से ज्यादा विकेट भी लिए हैं। तेंदुलकर टेस्ट और वनडे में क्रमशः 15,921 और 18,426 रन स्कोर के साथ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, वहीं कैलिस को दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडरों में से एक माना जाता है। उन्होंने तीनों प्रारूप मिलाकर 25000 से ज्यादा रन बनाए हैं और 277 विकेट लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने बताया है कि वे तेंदुलकर को अब तक का सबसे बेहतरीन बल्लेबाज और कैलिस को अब तक का सबसे बेहतरीन क्रिकेटर मानते हैं।

- **कैलिस दबाव में कभी नहीं दिखते थे-** ली ने आईपीएल में कैलिस के साथ बिताए अपने समय के बारे में भी बात की और बताया कि बैटिंग करने जाने से पहले कैलिस दबाव में कभी नहीं दिखते थे। उन्होंने कहा, 'एक टीममेट के तौर पर उनके साथ रहना और उन्हें मैच की तैयारी करते हुए देखना अद्भुत था। बैटिंग के लिए जाने से पहले उनकी हार्ट रेट लगभग 30 बीट प्रति मिनट थी। वे बहुत शांत थे। हो सकता है कि उनके दिमाग में विचार चलते हों, लेकिन बाहर से देखने पर वे बिल्कुल शांत और बेफिक्र लगते थे।'

सबसे बेहतरीन क्रिकेटर जैक कैलिस

ली ने यूट्यूब पर पॉडकास्ट 'द रणवीर शो' में बात करते हुए कहा, 'मैंने हमेशा कहा है कि मेरे हिसाब से सचिन तेंदुलकर अब तक के सबसे बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं, लेकिन मेरी राय में सबसे बेहतरीन क्रिकेटर जैक कैलिस हैं। उनके आंकड़े दुनिया में सबसे अच्छे हैं। अगर आप उनके आंकड़े देखें तो वे कभी झूठ नहीं बोलते। वे सच में कमाल के हैं।'

रोहित की छुट्टी, IPL खेल चुके खिलाड़ी को कमान

नई दिल्ली,एजेसीं। नेपाल ने एशियन क्रिकेट काउंसिल (ऌष्टष्ट) के मेंस प्रीमियर कप से पहले वनडे क्रिकेट में कप्तान बदल दिया है। यह 50 ओवर का टूर्नामेंट 2027 एसीसी मेंस एशिया कप के लिए क्वालिफायर के तौर पर काम करता है। नेपाल ने इस टूर्नामेंट से पहले अनुभवी खिलाड़ी संदीप लामिछाने को रोहित पौडेल की जगह कप्तान बना दिया है।

लामिछाने के पास इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) में भी खेलने का अनुभव है। 2018-2019 में दिल्ली डेयरडेविल्स (दिल्ली कैपिटल्स) का हिस्सा थे और 9 मैच खेले थे। उन्होंने 13 विकेट लिए थे। 26 साल के इस लेग स्पिनर ने वनडे में 77 मैच खेले हैं और 154 विकेट लिए हैं।

पौडेल की कप्तानी में निखरा नेपाल- 2022 में पौडेल के कप्तानी संभालने से पहले लामिछाने ने 14 वनडे मैचों में नेपाल की कप्तानी की थी। पौडेल ने अपने कार्यकाल में टीम को सफलता दिलाई। उन्होंने आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 में नेपाल को 12 में से 11 वनडे मैच जिताने में मदद की, जिससे टीम ने जून 2023 में जिम्बाब्वे में होने वाले वर्ल्ड कप क्वालिफायर में जगह बनाई।

लामिछाने की उपलब्धियां- पौडेल ने बैटिंग ऑर्डर में एक भरोसेमंद और अहम खिलाड़ी की भूमिका निभाई। लामिछाने के नाम उपलब्धियां दर्ज हैं। वह वनडे में सबसे तेज 150 विकेट लेने वाले नेपाली खिलाड़ी है। वह टी20 इंटरनेशनल में 100 विकेट लेने वाले नेपाल के पहले खिलाड़ी हैं।

विवादों में भी रहे हैं लामिछाने

लामिछाने विवादों में भी रहे हैं। 2022 में उनपर एक नाबालिग लड़की ने यौन शोषण का आरोप लगाया। दिसंबर 2023 में निचली अदालत ने उन्हें दोषी करार दिया था और 8 साल की सजा सुनाई थी। मई 2024 में पाटन उच्च न्यायालय ने उन्हें आरोपों से बरी कर दिया। इसी विवाद के कारण नेपाल क्रिकेट संघ ने उन्हें कप्तानी से हटाने के अलावा निलंबित कर दिया था। आरोपों से बरी होने के बाद खेलने की अनुमति मिली।

विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिपः बंदरों से निपटने का उपाय

लंगूर की आवाज निकालने वालों की ली जाएगी सेवा

नई दिल्ली,एजेसीं। अगले सप्ताह दिल्ली में शुरू होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के दौरान बंदरों के खलल को रोकने के लिए आयोजकों ने एक अनोखा उपाय अपनाया है। उन्होंने तीन पेशेवर विशेषज्ञों को बुलाया है, जो लंगूर की तरह आवाज निकाल सकते हैं ताकि बंदरों को स्टेडियम से दूर भगाया जा सके।

भारतीय स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने माना कि यह उपाय सुनने में लोगों को मजाकिया लग सकता है, लेकिन उन्होंने कहा कि इससे यह भी पता चलता है कि भारत इस विश्वस्तरीय आयोजन को सफल बनाने के लिए कितनी गंभीरता से प्रयास कर रहा है।

- **इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम का व्यापक कायाकल्प-** 17 वर्षों बाद भारत में लौट रही बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने मिलकर इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम का व्यापक कायाकल्प किया है। इसका उद्देश्य इस वर्ष जनवरी में हुए इंडिया ओपन के दौरान सामने आई अव्यवस्थाओं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई आलोचना जैसी स्थिति से बचना है।
- **'रीसस मकाक' प्रजाति के बंदर-** आयोजकों ने तीन प्रशिक्षित 'मंकी व्हिस्परर्स' (बंदरों को नियंत्रित करने वाले विशेषज्ञ) को नियुक्त किया है, जो लंगूर की आवाज निकालकर 'रीसस मकाक' प्रजाति के बंदरों को डराकर भगाएंगे। ये बंदर मध्य दिल्ली और इंदिरा गांधी स्टेडियम के आसपास बड़ी संख्या में पाए जाते हैं।
- **इंडिया ओपन में डाला था खलल-** इंदिरा गाधी स्टेडियम में ही 17 से 23 अगस्त तक विश्व चैंपियनशिप आयोजित होगी। यह अनोखा कदम जनवरी में हुए इंडिया ओपन के बाद उठाया गया है। उस टूर्नामेंट के दौरान बंदर दर्शक दीर्घा तक पहुंच गए थे, जिससे कुछ समय के लिए मुकाबलों में व्यवधान पड़ा और इसकी तस्वीरें अंतरराष्ट्रीय मीडिया में सुर्खियां बनी थीं।
- **लंगूर से डरते हैं 'रीसस मकाक'-** विशेषज्ञों के अनुसार, 'रीसस मकाक' बंदर लंगूर से डरते हैं। लंगूर आकार में उनसे काफी बड़े होते हैं। इसी स्वाभाविक डर का फायदा उठाने के लिए लंगूर की आवाज की नकल का इस्तेमाल किया जा रहा है। गौरतलब है कि ऐसे कार्यों के लिए वास्तविक लंगूरों के इस्तेमाल पर वर्ष 2012 में प्रतिबंध लगा दिया गया था।
- **पीवी सिंधु ने क्या कहा-** दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता पीवी सिंधु ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'इस उपाय पर लोग हंस सकते हैं, लेकिन इसके पीछे किए जा रहे प्रयास की सराहना जरूर करनी चाहिए। भारत दुनिया का स्वागत करने के लिए तैयार हो सके, इसके लिए पर्दे के पीछे बहुत से लोग मेहनत कर रहे हैं। हमारे समाधान भले ही पूरी तरह भारतीय हों, लेकिन हमारी गर्मजोशी, हमारा जज्बा और हमारी मेहमाननवाजी भी उतनी ही भारतीय है।'
- **दिल्ली विधानसभा ने भी विशेषज्ञों की सेवाएं ली थीं-** इस वर्ष दिल्ली विधानसभा ने भी बंदरों को परिसर में आने से रोकने के लिए लंगूर की आवाज निकालने वाले विशेषज्ञों की सेवाएं लेने के लिए निविदा जारी की थी। आयोजकों द्वारा नियुक्त विशेषज्ञों में से एक जफर ने बताया, 'जब हम लंगूर जैसी आवाज निकालते हैं तो बंदर वहां से भाग जाते हैं। इसी तरह हम उन्हें दूर भगाते हैं ताकि सड़क पर वाहन खड़े करने या अन्य गतिविधियों में कोई परेशानी नहीं हो। यह हमारा पुश्तैनी पेशा है। हम पूरी जिंदगी यही काम करते आए हैं। ऐसी कोई जगह नहीं है जहां मैंने अपनी सेवाएं नहीं दी हों। नॉर्थ ब्लॉक, साउथ ब्लॉक, राष्ट्रपति भवन, गुरुग्राम, चंडीगढ़, मथुरा, जहां से भी हमें काम मिलता है, हम वहां जाकर अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं।'

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंगल क्लिक से हितग्राहियों के खातों में अंतरित की करोड़ों की राशि

पीएम उज्ज्वला और लाड़ली बहना योजना की 22 लाख बहनों को दो माह की अनुदान राशि, समग्र पेंशन योजना के 35 लाख हितग्राहियों को भी मिला लाभ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगजनों एवं जरूरतमंद वर्गों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को मंत्रालय भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों के खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से करोड़ों रुपये की सहायता राशि अंतरित की कार्यक्रम के दौरान पीएम उज्ज्वला योजना एवं लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत प्रदेश की 22 लाख बहनों को दो माह की अनुदान राशि के रूप में 99 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई। इसके साथ ही समग्र पेंशन योजना के अंतर्गत 35 लाख हितग्राहियों के खातों में 211.53 करोड़ रुपये की राशि का अंतरण किया गया।

महिलाओं को आर्थिक राहत देने पर जोर: पीएम उज्ज्वला और लाड़ली बहना योजना के माध्यम से महिलाओं एवं उनके परिवारों को आर्थिक राहत और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। दो माह की अनुदान राशि सीधे खातों में पहुंचने से प्रदेश की 22 लाख बहनों को इसका लाभ मिलेगा। सरकार का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ परिवारों के घरेलू खर्च में भी सहयोग प्रदान करना है मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि कोई भी पात्र हितग्राही शासन की कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है।

पेंशन हितग्राहियों को भी मिली बड़ी राहत: समग्र पेंशन योजना के अंतर्गत 35 लाख हितग्राहियों के खातों में 211.53 करोड़ रुपये की राशि का अंतरण किया गया इस पहल से बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और अन्य पात्र पेंशन हितग्राहियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध होगी सरकार द्वारा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंद वर्गों को नियमित आर्थिक सहयोग देने पर जोर दिया जा रहा है कार्यक्रम में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग तथा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग से संबंधित योजनाओं के हितग्राहियों को भी लाभान्वित किया गया

सतना में अधिकारियों और हितग्राहियों ने देखा सीधा प्रसारण: सतना के एनआईसी कक्ष में जिला खाद्य अधिकारी सम्यक जैन सहित संबंधित अधिकारी एवं हितग्राही मौजूद रहे सभी ने भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वर्चुअल प्रसारण देखा और मुख्यमंत्री के संबोधन को सुना राज्य सरकार के अनुसार योजनाओं के माध्यम से सीधे बैंक खातों में राशि अंतरित करने से हितग्राहियों को पारदर्शी एवं सुगम तरीके से आर्थिक सहायता उपलब्ध हो रही है। सरकार ने पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने और कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को प्राथमिकता देने की बात दोहराई।

नगरीय क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन तंत्र को सुदृढ़ करने के निर्देश

मौसम विभाग से सतत् समन्वय और त्वरित राहत सुनिश्चित करेंगे नगरीय निकाय

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। वर्षा ऋतु के दृष्टिगत नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त नगरीय क्षेत्रों में सम्भावित प्राकृतिक एवं आकस्मिक आपदाओं से निपटने के लिए त्रिस्तरीय (राज्य, संभाग एवं जिला स्तर) नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) स्थापित किए गए हैं नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त संकेत भोंडवे ने कहा है कि अतिवृष्टि, जलभराव, बाढ़, जर्जर भवनों के धराशायी होने तथा वज्रपात जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों में जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है यह कंट्रोल रूम अंतर-विभागीय समन्वय के माध्यम से आपदा प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित जल निकासी, प्रभावित नागरिकों के सुरक्षित विस्थापन तथा भोजन, शुद्ध पेयजल एवं चिकित्सा जैसी मूलभूत जीवनरक्षक सुविधाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे आपदा प्रबंधन व्यवस्था को व्यावहारिक रूप देते हुए जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवनों को चिन्हित कर समय रहते आवश्यक सुरक्षात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं इसके अतिरिक्त आंधी-तूफान के कारण मार्ग में धराशायी हुए वृक्षों को तत्काल हटाकर यातायात को अविलंब सुचारू बनाने तथा वज्रपात से उत्पन्न आपातकालीन स्थितियों में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने पर विशेष बल दिया गया है। स्थापित कंट्रोल रूम मौसम विज्ञान केंद्र के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखेंगे, जिससे प्राप्त होने वाले पूर्व अनुमानों एवं चेतावनी संदेशों को संबंधित नगरीय निकायों तक समय रहते संप्रेषित किया जा सके और किसी भी संभावित आपदा के प्रभाव को न्यूनतम किया जा सके आपदा प्रबंधन के कुशल क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग के लिए प्रत्येक जिले में जिला शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी को जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का नोडल अधिकारी/प्रभारी नियुक्त किया गया है जिले से संबंधित परियोजना अधिकारी जिला प्रशासन के साथ निरंतर समन्वय स्थापित कर अतिवृष्टि एवं जलभराव से प्रभावित नागरिकों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराएंगे। आपदा की किसी भी स्थिति में न्यूनतम प्रतिक्रिया समय के साथ राहत एवं बचाव कार्य संपादित करना अनिवार्य होगा जिससे शहरी क्षेत्रों में जनजीवन सामान्य बना रहे।

ग्राम पंचायत अकहा में उत्साह के साथ निकली 'हर घर तिरंगा' रैली

तिरंगा लेकर गांव की गलियों में निकले ग्रामीण, भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से गूंजा क्षेत्र

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत जनपद पंचायत उचेहरा की ग्राम पंचायत अकहा में मंगलवार को तिरंगा रैली का आयोजन किया गया रैली में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना का प्रदर्शन किया तिरंगा रैली की शुरुआत ग्राम पंचायत भवन परिसर से हुई इसके बाद रैली गांव के विभिन्न मार्गों से होते हुए निकली बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं और युवा हाथों में तिरंगा लेकर रैली में शामिल हुए इस दौरान पूरा गांव भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से गूंज उठा रैली में पंचायत के बुजुर्गों युवाओं और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की ग्रामीणों में राष्ट्रीय पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला महिलाओं और स्व-सहायता समूह की सदस्यों ने भी तिरंगा लेकर रैली में भाग लिया रैली के माध्यम से ग्रामीणों को स्वतंत्रता दिवस के महत्व और राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के प्रति जागरूक किया गया आयोजन में पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों की भी सक्रिय सहभागिता रही रैली में उप सरपंच शिवकुमार लोध सुभाष चौधरी सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे वहीं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अनीता सेन, सुमन चौधरी तथा स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की आयोजकों ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करना और स्वतंत्रता दिवस को जनभागीदारी के साथ मनाना है।

ग्रामीण समस्याओं को लेकर डॉ. रश्मि सिंह ने कलेक्टर से की मुलाकात

लौहरौरा, अमिलिया और सोहावल क्षेत्र की सड़क व अंडरपास समस्याएं उठाईं, शीघ्र समाधान की मांग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से बनी हुई मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं को लेकर डॉ. रश्मि सिंह ने ग्रामवासियों के साथ कलेक्टर सतना से मुलाकात की उन्होंने ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपते हुए इनके शीघ्र निराकरण की मांग की कलेक्टर ने संबंधित समस्याओं पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए जल्द समाधान का भरोसा दिलाया मुलाकात के दौरान डॉ. रश्मि सिंह ने ग्राम पंचायत लौहरौरा के चंदुआभाट स्थित शासकीय हाई स्कूल तक सड़क निर्माण ऊंचेहरा क्षेत्र की ग्राम पंचायत अमिलिया में सड़क निर्माण तथा सोहावल क्षेत्र में अंडरपास एवं पुराने मार्ग के पुनर्निर्माण और पुन: संचालन का मुद्दा प्रमुखता से उठाय ग्रामीणों ने बताया कि खराब एवं बंद मार्गों के कारण प्रतिदिन आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों महिलाओं, बुजुर्गों, किसानों और आम राहगीरों को हो रही है। बारिश के दौरान सड़कों की स्थिति और खराब हो जाने से आवागमन की समस्या गंभीर हो जाती है ग्रामीणों के अनुसार सड़क एवं मार्ग की समस्या के कारण विद्यार्थियों को स्कूल पहुंचने किसानों को खेतों तक जाने तथा आम लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आने-जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है ग्रामीणों ने संबंधित निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से शुरू कराने की मांग की डॉ. रश्मि सिंह ने कलेक्टर से आग्रह किया कि ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं उन्होंने कहा कि सड़क और आवागमन जैसी मूलभूत सुविधाएं सीधे ग्रामीणों के दैनिक जीवन से जुड़ी हैं इसलिए इनके निराकरण में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए डॉ. रश्मि सिंह ने कहा कि जनता की मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाना और समाधान होने तक प्रयास जारी रखना उनकी प्राथमिकता है उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रशासन की पहल से ग्रामीणों को जल्द राहत मिलेगी इस अवसर पर कांग्रेसजन आदित्य प्रताप सिंह, उमेश गौतम, अखिलेश सिंह, सोनू पाल, केदारनाथ कुशवाहा, शारदा पांडे, रामनरेश कुशवाहा, मोहित रजक, प्रदीप तिवारी, सौखीलाल केवट, ददुआ कोल और सौरभ तिवारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

निर्माण श्रमिकों के लिए आयुष्मान कार्ड विशेष शिविर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार मंडल अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है यह शिविर नगर पालिक निगम सतना क्षेत्र में 12 अगस्त 2026 तक संजीवनी हॉस्पिटल, यू.पी.एच.सी. हनुमान नगर नई बस्ती सतना में आयोजित किया जाएगा शिविर में निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवारजनों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे, जिससे उन्हें भविष्य में नि:शुल्क उपचार की सुविधा प्राप्त हो सकेगी सहायक श्रमायुक्त ने क्षेत्र के समस्त पंजीकृत निर्माण श्रमिकों से अपील की है।

ए.के.एस. विश्वविद्यालय की डॉ. शिल्पी सिंह को पीएच.डी. की उपाधि

केले में रोग नियंत्रण और वृद्धि संवर्धन पर किया महत्वपूर्ण शोध, एंडोफाइटिक जीवाणुओं की भूमिका का किया वैज्ञानिक अध्ययन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की शिल्पी सिंह ने शोध एवं अकादमिक क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है उन्होंने अपना शोध कार्य विश्वविद्यालय के प्रो. कमलेश चौरे के मार्गदर्शन में पूर्ण किया। उनकी इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है डॉ. शिल्पी सिंह ने रोग दमन एवं वृद्धि संवर्धन में एंडोफाइटिक जीवाणुओं की भूमिका : मूसा एक्यूमिनाटा ग्रैंड नैन विषय पर शोध किया। उनके शोध का मुख्य उद्देश्य केले की ग्रैंड नैन प्रजाति में रोगों के नियंत्रण तथा पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देने में एंडोफाइटिक जीवाणुओं की उपयोगिता और भूमिका का वैज्ञानिक अध्ययन करना रहा रोग नियंत्रण और पौधों की वृद्धि पर केंद्रित शोध शोध के दौरान डॉ. सिंह ने एंडोफाइटिक जीवाणुओं के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करते हुए यह समझने का प्रयास किया कि ये सूक्ष्मजीव केले के पौधों को रोगों से बचाने और उनके विकास को बेहतर बनाने में किस प्रकार सहायक हो सकते हैं। कृषि क्षेत्र में केले की फसल को प्रभावित करने वाले विभिन्न रोग उत्पादन एवं गुणवत्ता के लिए चुनौती बने रहते हैं। ऐसे में जैविक माध्यमों से रोग नियंत्रण की संभावनाओं पर किया गया यह शोध कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए शोध-पत्र: शोध कार्य के दौरान डॉ. शिल्पी सिंह ने महत्वपूर्ण वैज्ञानिक निष्कर्षों पर कार्य करते हुए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में शोध-पत्र प्रकाशित किए उनके शोध कार्य को कृषि विज्ञान, पौध संरक्षण और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उपयोगी अकादमिक योगदान के रूप में देखा जा रहा है विश्वविद्यालय से जुड़े शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने डॉ. शिल्पी सिंह की उपलब्धि को गौरवपूर्ण बताया ए.के.एस. विश्वविद्यालय परिवार ने उन्हें पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त करने पर बधाई दी और उनके शोध कार्य वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं अकादमिक उपलब्धि की सराहना की विश्वविद्यालय प्रबंधन ने उम्मीद जताई कि डॉ. शिल्पी सिंह का शोध कार्य कृषि क्षेत्र में जैविक एवं वैज्ञानिक पद्धतियों को बढ़ावा देने में उपयोगी साबित होगा तथा भविष्य में भी वह शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देती रहेंगी। विश्वविद्यालय परिवार ने उनके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर सफलता की कामना की।

जिले के गांव-गांव में गूंजा देशभक्ति का संदेश, निकली हर घर तिरंगा रैली

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा यात्रा एवं रैलियों का आयोजन किया गया ग्राम पंचायतों में निकली इन तिरंगा यात्राओं में ग्रामीणों जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हाथों में तिरंगा लेकर निकले ग्रामीणों ने राष्ट्रभक्ति और एकता का संदेश दिया। ग्राम पंचायत दुरेहा में ग्रामीणों द्वारा उत्साह के साथ तिरंगा यात्रा निकाली गई यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर सहभागिता की पूरे मार्ग में देशभक्ति का माहौल दिखाई दिया इसी क्रम में ग्राम पंचायत अबेर में भी हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा आयोजित की गई। ग्रामीणों ने राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए यात्रा में भाग लिया और स्वतंत्रता दिवस को उत्साहपूर्वक मनाने का संदेश दिया बेला में आयोजित तिरंगा रैली में भी ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही तिरंगा हाथों में लेकर निकले ग्रामीणों ने देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया रैली के दौरान वातावरण देशभक्ति के नारों से गूंज उठा ग्राम पंचायत जिगनहट में भी तिरंगा यात्रा निकाली गई ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए हर घर तिरंगा' अभियान को जन-अभियान का स्वरूप प्रदान किया। तिरंगा यात्रा के माध्यम से ग्रामीणों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने तथा स्वतंत्रता दिवस को गौरव एवं उत्साह के साथ मनाने के लिए प्रेरित किया गया ग्राम पंचायत अकहा में हर घर तिरंगा रैली धूमधाम से निकाली गई रैली में ग्रामीणों का देशभक्ति का जोश देखते ही बना। हाथों में तिरंगा लेकर ग्रामीणों ने पूरे उत्साह के साथ रैली में सहभागिता की रैली के माध्यम से राष्ट्र के प्रति सम्मान एकता और भाईचारे का संदेश दिया गया इसी प्रकार ग्राम पंचायत तुषगवां में भी तिरंगा रैली का आयोजन किया गया ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक रैली में भाग लेते हुए राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान व्यक्त किया इन सभी ग्राम पंचायतों में आयोजित तिरंगा यात्राओं ने गांव-गांव में देशभक्ति की भावना को और मजबूत किया ग्रामीणों की सहभागिता से हर घर तिरंग अभियान को व्यापक जनसमर्थन मिला तिरंगा यात्राओं के माध्यम से नागरिकों को स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को स्मरण करने तथा राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने का संदेश दिया गया।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 152 आवेदकों की समस्याएं

विवाद से लेकर बिजली, पानी, सड़क, पेंशन और आवास योजना तक के आवेदन पहुंचे अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। आम नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से पहुंचे 152 आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त आवेदनों पर संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करते हुए निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए जनसुनवाई में जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीण और शहरी नागरिक अपनी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं को लेकर पहुंचे आवेदकों ने अपनी समस्याएं कलेक्टर के समक्ष रखीं और उनके निराकरण के लिए प्रशासन से आवश्यक सहयोग की मांग की जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद राजस्व रिकॉर्ड में सुधार, सीमांकन भूमि संबंधी अन्य समस्याओं सहित विभिन्न राजस्व मामलों से जुड़े आवेदन प्रस्तुत किए गए आवेदकों ने राजस्व अभिलेखों में त्रुटियों को दूर करने तथा लंबित प्रकरणों का निराकरण कराने की मांग रखी कलेक्टर ने संबंधित राजस्व अधिकारियों को आवेदनों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा पात्र मामलों में अनावश्यक देरी नहीं करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान केवल कागजी प्रक्रिया तक सीमित न रहे बल्कि वास्तविक रूप से आवेदकों को राहत मिलनी चाहिए जनसुनवाई में सिंचाई, बिजली, पेयजल और सड़क निर्माण से संबंधित शिकायतें भी सामने आईं। ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने की मांग की कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके की स्थिति की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने तथा जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए जनसुनवाई में पेंशन, छात्रवृत्ति आवास योजना और अन्य लोक कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन भी प्राप्त हुए। आवेदकों ने पात्र होने के बावजूद योजनाओं का लाभ नहीं मिलने अथवा प्रक्रिया लंबित होने की जानकारी देते हुए सहायता की मांग की कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए। लंबित आवेदनों की समीक्षा कर आवश्यक दस्तावेजों एवं प्रक्रिया को पूरा कराने के निर्देश भी दिए गए कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा कि जनसुनवाई शासन और आम नागरिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है इसलिए यहां प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग द्वारा समय-सीमा में कार्रवाई की जानी चाहिए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त आवेदनों की नियमित निगरानी करें और निराकरण की स्थिति से संबंधित आवेदकों को भी अवगत कराएं, ताकि उन्हें अपनी शिकायत पर हुई कार्रवाई की जानकारी मिल सके इस अवसर पर अपर कलेक्टर विकास सिंह ने भी जनसुनवाई में पहुंचे आवेदकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया जनसुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

15 अगस्त को जिले में गरिमापूर्ण ढंग से मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2026 के आयोजन के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। शासन के निर्देशानुसार जिले में स्वतंत्रता दिवस समारोह पूर्ण गरिमा उत्साह एवं राष्ट्रीय भावना के साथ आयोजित किया जाएगा जिला जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय स्तर पर कार्यक्रमों की रूपरेखा निर्धारित की गई है राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह राजधानी भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में आयोजित होगा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रात: 9 बजे ध्वजारोहण कर प्रदेश की जनता को संबोधित किया जाएगा इससे पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा शौर्य स्मारक पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी शौर्य स्मारक के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण लाल परेड ग्राउंड भोपाल में किया जाएगा राज्य स्तरीय समारोह में पुलिस एसएएफ सीआईएसएफ जेल गार्ड, होमगार्ड एनसीसी तथा स्काउट-गाइड की संयुक्त परेड आयोजित की जाएगी संयुक्त परेड द्वारा मुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा जिला मुख्यालय पर स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह प्रात: 9 बजे से आयोजित किया जाएगा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान होगा तथा परेड की सलामी ली जाएगी जिलेवार ध्वजारोहण के लिए शासन द्वारा निर्धारित जनप्रतिनिधि अथवा कलेक्टर द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की जाएगी मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन प्रात: 9.25 बजे से 9.55 बजे तक किया जाएगा। मुख्यमंत्री के संदेश का राज्य स्तरीय मुख्य समारोह भोपाल से जिला स्तर पर सीधा प्रसारण (लाइव टेलीकास्ट) किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683 प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।